RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः295, गुरुवार, 06 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

वोटिंग से पहले बीजेपी को झटका, पीरपैंती के विधायक आरजेडी में शामिल 03

पूर्वी चंपारण में तेजस्वी यादव का शक्ति प्रदर्शनः हर परिवार को नौकरी, हर महिला को 30.... 04

मीना कुमारी का किरदार निभाएगी किराया अडानी 07

मिर्जापुर में 6 महिलाओं की ट्रेन से कटकर मौत

कार्तिक स्नान के लिए गंगा घाट जा रही थीं, ट्रैक पार करते समय हादसा

मिर्जापुर/चुनार (एजेंसी)। यूपी के मिर्जापुर में बुधवार को कालका एक्सप्रेस ट्रेन से कटकर 6 महिलाओं की मौत हो गई। इनमें दो बहनें हैं। हादसा सुबह 9.30 बजे चुनार रेलवे स्टेशन पर हुआ। चोपन से पैसेंजर ट्रेन चुनार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 3 पर पहुंची थी। भीड़ अधिक होने की वजह से कुछ श्रद्धालु प्लेटफॉर्म पर न उतरकर

दूसरी तरफ ट्रैक पर उतर गए। इसी दौरान दूसरे ट्रैक पर कालका एक्सप्रेस आ रही थी। अचानक ट्रेन आते ही यात्री घबरा गए। पुरुष तेजी से प्लेटफॉर्म पर चढ़ गए, जबकि महिलाएं नहीं चढ़ पाईं और ट्रेन की चपेट में आ गईं। उनके शवों के टुकड़े करीब 50 मीटर तक ट्रैक पर बिखर गए। शवों को बैग में भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रेलवे अफसरों ने बताया कि कालका एक्सप्रेस का चुनार में स्टॉपेज नहीं है, इसलिए ट्रेन की स्पीड तेज थी।

बुलडोजर दिखाकर योगी बोले-ये बिहार में चलने वाला है

- जो राम का नहीं, किसी काम का नहीं, आरजेडी कितनी भी घोषणा करे विश्वास मत करना

गयाजी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गयाजी के वजीरगंज में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। योगी ने लालू पर निशाना साधते हुए कहा, पहले चरण में इन लोगों ने पशुओं का चारा खाया। दूसरे चरण में गरीबों का राशन हजम कर जाएंगे। अगर इन लोगों को अवसर दिया तो, मैं आपसे कहता हूं, फिर

से जंगलराज आएगा। इसलिए एनडीए कैंडीडेट्स को वोट देकर जिताइए। आरजेडी कितनी भी बड़ी घोषणा करे कभी विश्वास नहीं करना। जो राम का नहीं हुआ, वो हमारे किसी काम का नहीं होगा। जो राम द्रोही है, वो हमारा भी द्रोही है। ये लोग जंगलराज ही लाएंगे। आगे भी यही करेंगे। योगी ने सभा में खड़े 7 बुलडोजर दिखाते हुए कहा–देख लीजिए यही आपके बिहार में भी चलने वाले हैं। बस हमारी सरकार बनवाइए। सभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, आरजेडी और कांग्रेस ने किसानों को लूटा। विकास का पैसा अपने परिवार के विकास में लगा दिया। उनके राज में सब चौपट था। नक्सलवाद फैलता गया।

सुप्रीम कोर्ट ने मल्टीप्लेक्स में महंगाई पर जताई नाराजगी

कहा-100 रुपए में पानी की बोतल और 700 रुपए में कॉफी बेच रहे हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा है कि अगर मल्टीप्लेक्स अपने टिकट के दाम नहीं घटाते, तो सिनेमा हॉल खाली रह जाएंगे। कोर्ट ने कहा कि अब सिनेमा की लोकप्रियता घट रही है और टिकट के दाम आम लोगों की पहुंच से बाहर हो रहे हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी मल्टीप्लेक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा कर्नाटक हाईकोर्ट के एक आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान की। सोमवार को जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की

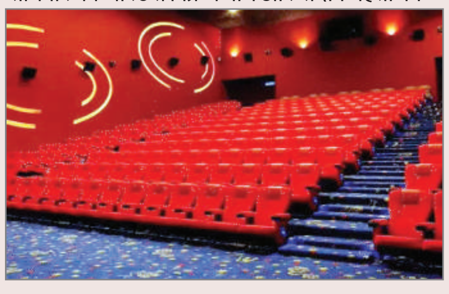

बेंच ने कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें मल्टीप्लेक्स को हर फिल्म टिकट की बिक्री का पूरा और ऑडिट योग्य रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए गए थे। कर्नाटक हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने 30 सितंबर को यह आदेश दिया था। यह मामला हाईकोर्ट के सिंगल जज के उस अंतरिम आदेश से जुड़ा था, जिसमें कर्नाटक सिनेमा (रेगुलेशन) (संशोधन) नियम, 2025 पर रोक लगाई गई थी। दरअसल, कर्नाटक सरकार ने मल्टीप्लेक्स में टिकट की अधिकतम कीमत 200 रुपए तय करने के लिए नियम बनाए थे। मल्टीप्लेक्स मालिकों ने इस नियम को कर्नाटक हाई कोर्ट में चुनौती दी।

सबूत न भी मिले तो भी विवाह होगा मान्य

- सप्तपदी की रस्म पर दिल्ली हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला
- अदालत का आदेश-सात फेरे के बिना भी अब 'हम होंगे तेरे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंदू मैरिज एक्ट के तहत सप्तपदी की रस्म को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने बहुत ही बड़ा और दूरगामी फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि अगर किसी हिंदू विवाह में सप्तपदी (सात फेरे) की रस्म पूरी न भी हुई हो, फिर भी वह विवाह अमान्य नहीं होगा। बता दें कि हिंदू रीति के तहत शादी के लिए सात फेरे को सबसे महत्वपूर्ण रिवाज माना जाता रहा है, लेकिन अदालत ने कह दिया है कि अगर किसी वजह से यह रस्म पूरी नहीं की गई, तो भी हिंदू मैरिज एक्ट के तहत यह शादी वैध मानी जाएगी। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के अनुसार यह फैसला दिल्ली हाई कोर्ट की जस्टिस अनिल क्षेत्रपाल और जस्टिस हरीश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने सुनाया है। दरअसल, इस मामले में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की तलाक याचिका को यह कहकर रद्द

करने की दलील दी थी कि, वे अनुसूचित जनजाति (बंजारा समुदाय- लंबाडा) से हैं, ऐसे में हिंदू मैरिज एक्ट का प्रावधान उनके केस पर लागू नहीं होता। लेकिन, अदालत ने यह आपत्ति खारिज कर दी। अदालत ने कहा है कि बंजारा समुदाय अब काफी हद तक हिंदू बन गया है और हिंदू रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुई बंजारा शादी भी हिंदू मैरिज एक्ट के दायरे में आती है। इसी आधार पर हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के 2024 के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें कहा गया था कि एक बंजारा महिला की ओर से दायर तलाक याचिका भी हिंदू विवाह अधिनियम के तहत ही सुनवाई योग्य है। दिल्ली हाई कोर्ट ने महिला की ओर से विशेष साहित्यों और एथ्नोग्राफिक अध्ययनों के हवाले पर भरोसा करते हुए कहा कि हालांकि ऐतिहासिक रूप से बंजारा समुदाय अनुसूचित जनजाति है, लेकिन इसने धीरे-धीरे हिंदू प्रक्रियाओं को अपना लिया है। इस समुदाय के वैवाहिक कार्यक्रमों में हिंदू रीति-रिवाज शामिल कर लिए गए हैं, लंबाडा हिंदू व्यवस्था के हिस्सा हो चुके हैं।

तमिलनाडु में एक्टर विजय को पार्टी ने बनाया सीएम कैंडीडेट

चेन्नई (एजेंसी)। साउथ एक्टर विजय थलपति की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम की बुधवार को महाबलीपुरम के एक होटल में मीटिंग हुई। इसमें विजय को 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के

लिए मुख्यमंत्री कैंडीडेट घोषित किया गया। साथ ही पार्टी ने उन्हें चुनावी गठबंधन तय करने का पूरा अधिकार भी सौंप दिया। करूर भगदड़ के बाद पहली बार विजय ने स्पेशल जनरल काउंसिल की बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा–2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में मुकाबला सिर्फ टीवीके और सत्तारूढ़ डीएमके पार्टी के बीच होगा। मजबूत मुकाबले में टीवीके को 100 फीसदी जीत मिलेगी।

सुप्रीम झटका, फिर मनरेगा पर नरम हुई केन्द्र सरकार

पश्चिम बंगाल में दोबारा शुरू करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को लेकर सुप्रीम कोर्ट में झटका लगने के कुछ ही दिनों बाद ग्रामीण विकास मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल में इस योजना को विशेष शर्तों के साथ फिर से शुरू करने पर विचार करने का फैसला किया है। तीन साल से अधिक समय से राज्य में बंद पड़ी इस योजना को दोबारा शुरू करने के लिए तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार लगातार केंद्र से गुहार लगा रही थी। अब जो जानकारी सामने आ रही है उसके मुताबिक दोबारा इसकी शुरुआत हो सकती है। एक रिपोर्ट में सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर कहा है कि मंत्रालय ने पिछले हफ्ते प्रधानमंत्री कार्यालय को सूचित किया कि वह विशेष परिस्थितियों के तहत पश्चिम बंगाल में मनरेगा को फिर से शुरू करने पर विचार कर सकता है। कोर्ट ने मंत्रालय से इस मुद्दे पर एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। यह घटनाक्रम 27 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट द्वारा केंद्र की विशेष अनुमति याचिका को खारिज किए जाने के बाद आया है। केंद्र ने कलकत्ता हाई कोर्ट के 18 जून के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें मनरेगा योजना को 1 अगस्त, 2025 से पश्चिम बंगाल में लागू करने का निर्देश दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट से पहले हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को यह अधिकार दिया था कि वह राज्य में योजना के क्रियान्वयन के लिए विशेष शर्तें, प्रतिबंध और नियम लगा सके ताकि भविष्य में कोई अवैधता या अनियमितता न हो। केंद्र ने इस आदेश को चुनौती देते हुए 31 जुलाई को लागू होने से ठीक पहले सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दायर की थी।

पीएम मोदी से मिली भारत की चैंपियन टीम

वर्ल्ड कप जीतने के बाद की मुलाकात, व्हीलचेयर पर पहुंची प्रतिका

नई दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बुधवार को महिला विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम ने मुलाकात की। यह मुलाकात नई दिल्ली में प्रधानमंत्री के आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुई। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और उनकी टीम के सदस्यों ने प्रधानमंत्री से मिलकर अपनी ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से इस मुलाकात के लिए दो दिन पहले ही औपचारिक निमंत्रण मिला था। यह ऐतिहासिक जीत रविवार को नवी मुंबई में हुई, जहां हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर पहली बार विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। **व्हीलचेयर से मिलने पहुंची प्रतिका रावल–** इस मुलाकात के

दौरान, टीम की खिलाड़ी, जिन्होंने विश्व कप में भारत को जीत दिलाई प्रधानमंत्री से मिलीं। खास बात यह रही कि खिलाड़ी प्रतिकी रावल भी इस मुलाकात में शामिल हुईं। प्रतिका को व्हीलचेयर पर बैठकर आना पड़ा।

हरियाणा की तरह बिहार में ऑपरेशन सरकार चोरी

- राहुल बोले, राज्य के 5 लोगों को मंच पर बुलाया

सभी लोग बोले- हमारे नाम वोटर लिस्ट से काटे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में पहले फेज की 121 सीटों पर कल वोटिंग होनी है। इससे एक दिन पहले राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि राज्य में ऑपरेशन सरकार चोरी चलाया जा रहा है। राहुल ने बिहार के 5 वोटरों को मंच पर बुलाया। सभी ने कहा कि उनके नाम वोटर लिस्ट काट दिए गए हैं। राहुल ने वोटर वैरिफिकेशन पर 1 घंटा 20 मिनट लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 3.5 लाख वोटर्स का नाम लिस्ट से काट दिया गया था। बिहार में भी

यही दोहराया जा रहा है। चुनाव से ठीक पहले वोटर लिस्ट दी जाती है, ताकि लोकतंत्र को मारा जा सके। उन्होंने अपने प्रजेंटेशन में हरियाणा की वोटर लिस्ट दिखाते हुए कहा कि ब्राजील की एक मॉडल ने 10 बूथ पर 22 बार वोट डाला।

ब्राजीलियन मॉडल की फोटो दिखाई, दावा– 22 बार वोट डाला– राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक ब्राजीलियन मॉडल की फोटो दिखाई। राहुल ने सवाल किया कि हरियाणा की वोटर लिस्ट में ब्राजीलियन लड़की का क्या काम है। राहुल ने दावा किया कि मॉडल ने 22 बार वोट डाला। हरियाणा में पांच कैटेगरी में 25 लाख वोट चोरी हुए। एक अन्य महिला ने एक असेंबली में 100 बार वोट किया। राहुल गांधी ने ब्राजीलियन मॉडल का नाम नहीं बताया। हालांकि उसकी तस्वीर फोटोग्राफर मैथियस फेरेरो ने फ्री स्टॉक इमेज प्लेटफॉर्म पर अपलोड की थी। राहुल ने यह तस्वीर वहीं से निकाली।

कोई पीपीटी बनाकर दे देता है दिखाकर भाग जाते हैं

- समय बर्बाद कर रहे राहुल, हरियाणा वोट चोरी पर बीजेपी का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हरियाणा चुनाव में वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार किया है। बीजेपी नेता किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी के आरोपों को सिरे से नकार दिया। बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए फिर से प्रेस वार्ता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई पीपीटी बनाकर दे देता है और राहुल गांधी इसे दिखाकर भाग जाते हैं। रिजिजू ने कहा कि बिहार में दो दिन बाद मतदान है, लेकिन आज राहुल गांधी हरियाणा की कहानी सुना रहे थे। इससे साफ है कि बिहार में तो मुद्दा बचा ही नहीं, इसलिए ध्यान

भटकाने के लिए हरियाणा का मुद्दा गढ़ा जा रहा है। बीजेपी नेता ने कहा कि उन्होंने (राहुल गांधी) कहा कि एग्जिट पोल में कांग्रेस की जीत रही थी। 2004 के चुनाव के दौरान भी एग्जिट पोल और ओपिनियन पोल भाजपा और एनडीए को जिता रहे थे, लेकिन मतगणना के नतीजों में एनडीए हार गई। बीजेपी नेता ने कहा कि हमने परिणाम को स्वीकार किया और यूपीए को बधाई दी, लेकिन हमने चुनाव आयोग को गाली नहीं दी। मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में जीत और हार, दोनों को स्वीकार करना पड़ता है। लेकिन एग्जिट पोल जब कांग्रेस के पक्ष में होता है, तब वाहवाही करते हैं और जब विरोध में जाता है, तब मीडिया को गाली देते हैं।

एमपी में दो दिन बाद ठंड राजस्थान में गिरे ओले

- उत्तराखंड के बद्रीनाथ में बर्फबारी, हरियाणा में बारिश की संभावना

भोपाल/बद्रीनाथ (एजेंसी)। पहाड़ों में जारी बर्फबारी के चलते मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ने वाली है। मध्य प्रदेश में दो दिन बाद ठंड बढ़ेगी। भोपाल में रात के तापमान में चार या पांच डिग्री तक की गिरावट हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि हरियाणा के पास एक चक्रवात बना हुआ है। यह मध्य प्रदेश में ठंडी हवा आने से रोक रहा है। अगले 24 या 48 घंटे

में यह चक्रवात उत्तर भारत में सक्रिय वेस्टर्न डिस्टरबेंस में समाहित हो जाएगा। इसके बाद ही हमारे यहां ठंड का असर शुरू होगा। उधर राजस्थान में भी तापमान में गिरावट होगी और सर्दी बढ़ेगी। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के प्रभाव से 4 नवंबर को राज्य के कुछ जिलों में बादल छाए और दिन में बारिश के साथ ओले भी गिरे। राजस्थान में मौसम ड्राय होगा और उत्तरी हवा चलनी शुरू होगी।

कनाडा ने किया आगाज, अंजाम तक पहुंचाएंगे जयशंकर

- पहले कनाडा ने भारत भेजी अपनी विदेश मंत्री, अब जयशंकर जाएंगे

भारत-कनाडा के संबंधों में दिखने लगी है नई गर्माहट, बदला माहौल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर अगले सप्ताह कनाडा की यात्रा पर जाएंगे। यह यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों में आए हालिया सुधार को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। जयशंकर 11-12 नवंबर को ओंटारियो के नियाग्रा क्षेत्र में आयोजित होने वाली जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे। कनाडा इस वर्ष दूसरी बार जी7 की मेजबानी कर रहा है, क्योंकि वह इस समय समूह की अध्यक्षता कर रहा है। कनाडा की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह बैठक जी7 मंत्रियों को वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा करने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने का अवसर देगी। इसमें सुरक्षा, समृद्धि और आर्थिक लचीलापन जैसे अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। भारत, हालांकि जी7 का सदस्य नहीं है, लेकिन 2019 में फ्रांस द्वारा दोबारा शुरू की गई परंपरा के बाद से लगातार इन बैठकों में आमंत्रित देश के रूप में भाग लेता आ रहा है।

संबंधों में सुधार की दिशा में एक और कदम– जयशंकर की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देशों के बीच संबंधों में पिछले कुछ महीनों में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। पिछले महीने कनाडा की विदेश मंत्री अनिता

आनंद ने नई दिल्ली का दौरा किया था। यह पिछले दो वर्षों में किसी कनाडाई कैबिनेट मंत्री की पहली भारत यात्रा थी। अपनी यात्रा के दौरान आनंद ने डॉ. जयशंकर और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से विस्तृत वार्ता की थी।

- **आपसी तनाव से अब साझेदारी की ओर–** भारत–कनाडा संबंध 2023–24 में सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए थे जब तत्कालीन कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि भारत के एजेंटों का संबंध खालिस्तान समर्थक और भारत द्वारा घोषित आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से है। नई दिल्ली ने इन आरोपों को बेतुका करार देते हुए सख्त प्रतिक्रिया दी थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच तीखी बयानबाजी, राजनयिकों की वापसी और संबंधों में ठहराव देखने को मिला था। हालांकि, 2025 की शुरुआत में कनाडा में सत्ता परिवर्तन के साथ ही माहौल बदला। मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री पद संभालते ही चुनाव अभियान में किए वादे के अनुसार भारत के साथ रिश्ते सुधारने पर जोर दिया। मई 29 को जयशंकर और अनिता आनंद के बीच हुई टेलीफोनिक बातचीत को संबंध सुधार की दिशा में टर्निंग पॉइंट माना गया। इसके बाद जून में कनाडा ने भारत को आमंत्रित किया।

संक्षिप्त समाचार

कार्तिक पूर्णिमा पर वैशाली में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, गंगा-गंडक संगम पर उमड़ा आस्था का सैलाब

हाजीपुर। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को हाजीपुर के ऐतिहासिक कोनहारा घाट सहित नारायणी नदी के तटों पर श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ी। लाखों लोगों ने गंगा और गंडक के संगम स्थल पर आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की। पवित्र स्नान का सिलसिला रात 12 बजे के बाद से ही शुरू हो गया था, जो सुबह तक जारी रहा।अब तक लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान कर चुके हैं।वैशाली जिले के अलावा पटना, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर और सारण जैसे आसपास के जिलों से भी श्रद्धालु यहां पहुंचे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है।भीड़ प्रबंधन के लिए होमगार्ड और स्काउट-गाइड के स्वयंसेवकों को भी तैनात किया गया है।घाटों के पास मेला भी सजा है, जहां स्नान के बाद श्रद्धालु पूजा सामग्री और प्रसाद की खरीदारी करते दिखे। भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन ने कोनहारा घाट की ओर जाने वाले मार्गों परचार और तीन पहिया वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया है।यह प्रतिबंध अंजानपीर चौक, रामाशीष चौक, चौरसिया चौक, जदुआ मोड़ और गर्दनिया चौक (कोनहारा मोड़) सहित अन्य मार्गों पर लागू है।इन रास्तों से किसी भी वाहन को घाट की दिशा में जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मेला परिसर में खरीदारी और झूले का आनंद लिया।हाजीपुर के अलावा महुआ, बिदुपुर, पातेपुर और देसरी प्रखंडों के विभिन्न घाटों पर भी कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान करने के लिएलाखों की संख्या में श्रद्धालु जुटे।

कदमकुआं के दलदली रोड मे घटना, अफरातफरी मची, 100 साल पुरानी धर्मशाला की दीवार गिरी, 4 लोग फंसे

पटना। कदमकुआं के दलदली रोड में 100 साल पुरानी धर्मशाला की दीवार भरभरा कर गिर गई। सीढ़ी से लगी दीवार गिरने से नीचे उतरने का रास्ता बंद हो गया। इससे अफरातफरी मच गई। एक ही परिवार के चार लोग फंस गए। सूचना मिलने पर डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम टीम के साथ पहुंचे। फायर ब्रिगेड का दस्ता भी पहुंच गया। फायर कर्मियों ने बाहर से सीढ़ी लगाकर चंदन साह, पूजा कुमारी, खुशबू कुमारी और शीला देवी को बाहर निकाला। करीब एक घंटा तक ये लोग मकान में फंसे रहे। डीएम ने इस पुराने भवन को बुधवार को ही तोड़ने का आदेश दिया। डीएम ने कहा कि इस भवन के रहने से कभी भी अप्रिय घटना हो सकती है। उस मकान के आसपास स्थानीय लोगों को जाने से मना किया गया। नीचे का रास्ता बंद

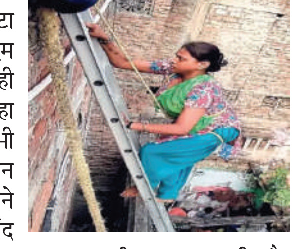

होने की वजह से अंदर फंसे चंदन साह, पूजा कुमारी, खुशबू कुमारी और शीला देवी जोर-जोर से बचाओ-बचाआ चिल्लाने लगे। लोगों ने फौरन स्थानीय पुलिस को मामले की जानकारी दी। इसके बाद प्रशासन बचाव दल को लेकर आया। फायर कर्मी भी पहुंचे। सीढ़ी लगा कर सभी को बाहर निकाल लिया गया। धर्मशाला काफी पुराना होने के कारण जर्जर हो गई है। काफी दिनों से मरम्मत नहीं होने से सभी दीवारों में दरार आ गई है। एक दरार वाली दीवार गिर गई। दलदली रोड के रहने वाले दिनेश प्रसाद ने बताया कि बड़े चाचा स्व. भगवान दास ने धर्मशाला बनाई थी और दान दे दी थी। आधे हिस्से में धर्मशाला और आधे में अखाड़ा था। करीब 20 वर्ष से शीला देवी और उनका परिवार इसमें रह रहा है। उन्हें बार-बार खाली करने को कहा गया, लेकिन उन्होंने ध्यान नहीं दिया। धर्मशाला जर्जर हो चुकी है। दीवार और भवन के जर्जर होने की वजह से यह हादसा हुआ।

वैशाली में जनरल स्टोर से 5 लाख की चोरी, शटर तोड़कर कैश और कीमती सामान चुराया

हाजीपुर। वैशाली के पातेपुर थाना क्षेत्र में व्यापार मंडल के सामने स्थित एक जनरल स्टोर में चोरी की बड़ी वारदात हुई है। अज्ञात चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर 5 लाख रुपए से अधिक की नगदी और लाखों रुपए का कीमती सामान चुरा लिया। चकनसीर गांव निवासी दुकान मालिक गुड्डू कुमार ने पातेपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दुकान मालिक गुड्डू कुमार के अनुसार, वे रोज की तरह रात में दुकान बंद कर घर चले गए थे। सुबह करीब 8 बजे उन्हें बगल के एक दुकानदार ने फोन पर

सूचना दी कि उनकी दुकान का शटर टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही गुड्डू कुमार तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि दुकान का ताला और शटर तोड़ दिया गया था और अंदर रखी नकदी व कीमती सामान गायब था। पातेपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार, चोरों ने शटर उखाड़कर या तोड़कर दुकान में प्रवेश किया था। फोरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस ने आसपास की दुकानों और इमारतों में लगे CCTV के फुटेज भी जब्त किए हैं, जिससे चोरों का सुराग मिलने की उम्मीद है। पातेपुर थानाध्यक्ष ने बताया कि यह मामला गंभीर है और चोरों को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही इस मामले में कोई ठोस परिणाम सामने आएगा। थानाध्यक्ष ने अन्य दुकानदारों को भी सतर्क रहने और रात में दुकानों में अधिक नकदी न रखने की सलाह दी है।

गंगा स्नान कर श्रद्धालुओं ने मांगी मन्नतें, घाटों पर सुरक्षा के लिए प्रशासन और एसडीआरएफ की टीम तैनात

पटना। कार्तिक पूर्णिमा पर पटना के विभिन्न घाटों पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी है। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन और एसडीआरएफ (SDRF) की टीमें तैनात की गईं। बुधवार सुबह से ही दूर-दराज के ग्रामीण और शहरी इलाकों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने पटना सिटी के कंगन घाट सहित कई अन्य घाटों पर गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। लोगों ने अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए मन्नतें मांगी। प्रशासन-एसडीआरएफ ने देर रात से ही सुरक्षा की तैयारियां शुरू कर दी थी। टीम गंगा नदी में लगातार गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था पर पैनी नजर रख रही।

गंगा स्नान करने से पापों का नाश होताः हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को कार्तिक पूर्णिमा या त्रिपुरारी पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। इस दिन भगवान विष्णु, मां लक्ष्मी, माता तुलसी और भगवान शिव की उपासना शुभ मानी जाती है। कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा नदी में स्नान और दान का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है, साथ ही भगवान का आशीर्वाद भी मिलता है। नालंदा से कंगन घाट पर गंगा स्नान करने आए जयप्रकाश ने बताया कि उनकी एक मन्नत पूरी होने के बाद वे आज गंगा में डुबकी लगाने आए हैं।

'पटना में पहले मौत दौड़ती थी, अब दौड़ रही मेट्रो ट्रेन'

- बांका में राजनाथ सिंह बोले- राजद हर बार नौकरी देने का वादा करती है, पूरा नहीं करती

एजेंसी, पटना

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बांका में आज चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि, 'बिहार का भविष्य तय करने का समय आ गया है। जिसका दामन साफ होगा, वहीं बिहार को विकसित राज्य बना सकता है। अब फैसला जनता को करना है कि वह बिहार को विकास के रास्ते पर ले जाना चाहती है या फिर जंगलराज की ओर।' रक्षा सिंह ने विपक्ष पर झूठे वादों का आरोप लगाते हुए कहा कि 'राजद सरकार हर बार नौकरी देने का वादा करती है, लेकिन उसे कभी पूरा नहीं करती। बिहार अब बदल चुका है, जनता विकास की बात करती है, धमकी की नहीं। पटना में पहले मौत दौड़ती थी, अब मेट्रो ट्रेन दौड़ने लगी है।' साथ ही रक्षा मंत्री ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकवादियों ने भारत में लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा। लेकिन हमने धर्म नहीं, कर्म देखकर ही मारा। राजनाथ सिंह ने कहा, भारत ऐसा देश है, जहां औरतें चींटी भी नहीं मारती, बल्कि उसके लिए अलग से आटा निकाल देती है।

मोकामा में FIR पर ललन सिंह बोले- EC संवैधानिक संस्था, RJD का पोस्ट भ्रामकः केंद्रीय मंत्री और JDU नेता राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने उनकी टिप्पणी को लेकर FIR दर्ज होने पर कहा, 'चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है। हम सब चुनाव आयोग का सम्मान करते हैं। जिस वीडियो की बात हो रही है उसे अगर कोई पूरा सुनेगा तो पता चलेगा कि राजद ने जो ट्वीट किया है वो भ्रामक है। जिस गांव का ये वीडियो है, वहां राजद के एक दबंग नेता रहते हैं वो गरीबों को डरा धमका कर बूथ पर जाने नहीं देते। मैंने यही कहा है कि अगर ये नेता गरीबों को डराएं तो गांव के लोग उनको घेरकर बंद कीजिए। अगर वो मतदान के लिए जाना चाहें तो मतदान केंद्र पर मतदान कराके उन्हें फिर से घर पर रहने के लिए मजबूर कीजिए। गरीबों को धमका कर कोई वोट नहीं ले सकता।' मोकामा में प्रचार के दौरान केंद्रीय मंत्री ललन सिंह आपत्तिजनक कमेंट आने के बाद उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। भाषण का वीडियो सामने आने के बाद चुनाव आयोग ने ललन सिंह से पूछा था कि उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं जाए। इसके बाद चुनाव आयोग की ओर से मुकदमा दर्ज किया गया है।

आरके सिंह का आरोप- बिहार में 62 हजार करोड़ का बिजली घोटालाः पहले चरण के मतदान से ठीक दो दिन पहले बीजेपी के नेता और पूर्व केंद्रीय ऊर्जा आरके सिंह ने राज्य में 62,000 करोड़ के बिजली घोटाले का आरोप लगाया है। सिंह ने आरोप लगाया कि राज्य के बिजली विभाग में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी हुई है, जिसमें बिहार सरकार के मंत्रालय के कई अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने इस पूरे मामले की गहन जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। पूर्व मंत्री ने दावा किया कि यह घोटाला बिहार में एक थर्मल पावर प्लांट से जुड़ा है। आरके सिंह ने यह दावा किया कि बिहार सरकार ने अदाणी समूह के साथ जो बिजली खरीद समझौता किया है, वह राज्य की जनता के साथ सीधा धोखा है। इसमें भारी वित्तीय अनियमितताएं की गई हैं।

बोरिंग रोड की कल शाम बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

कई रूट डायवर्ट, कई पर ऐंट्री बैन, ईवीएम जमा करने अलग विस क्षेत्रों से पटना आएंगी गाड़ियां

एजेंसी, पटना

पटना AN कॉलेज में स्ट्रॉन्ग रूम बनाया गया है। वोटिंग खत्म होने के बाद शाम में अलग अलग विधानसभा क्षेत्र से EVM लेकर गाड़ियां पटना आएंगी। ऐसे में बोरिंग रोड के इलाके समेत अन्य जगहों पर ट्रैफिक रूट में बदलाव किया गया है। शाम 5:30 बजे से यातायात सामान्य होने तक ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी। हालांकि इस दौरान इमरजेंसी वाहनों को छूट दी गई है। एंबुलेंस, अग्निशमन और अन्य इमरजेंसी वाहन जा सकते हैं।

सामान्य वाहनों के चलने का रास्ताः बोरिंग रोड में मोहिनी मोड़ से सहदेव महतो मार्ग होते हुए एएन कॉलेज से पानी टंकी मोड़ तक सभी प्रकार के सामान्य वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा।

बोरिंग रोड चौराहा से तपस्या मोड़ / एएन कॉलेज/ पानी टंकी मोड़ की तरफ तक सभी प्रकार के सामान्य वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा। उक्त अवधि में बोरिंग रोड में परिचालित होने वाले सामान्य वाहन अन्य ऑप्शनल मार्ग बेली रोड-बोरिंग रोड क्रॉसिंग से बोरिंग रोड चौराहा होते हुए बोरिंग कैनाल रोड से राजापुर पुल तक के मार्ग का प्रयोग कर सकते हैं।

कुर्जी मोड़ से बोरिंग रोड आने वाले सभी प्रकार के सामान्य वाहनों का परिचालन पाटलीपुत्रा गोलंबर तक होगा। यहां से छोटे वाहन एवं अन्य वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग कर सकते हैं। इसके अलावे साई मंदिर मोड़ से राजीव नगर आरओबी के नीचे (अटल पथ) होते हुए गंतव्य की ओर जा सकते हैं। कुर्जी मोड़ से पटना जंक्शन जाने वाले वाहनों का परिचालन कुर्जी मोड़ से राजापुर पुल से बोरिंग कैनाल रोड बोरिंग रोड चौराहा होते हुए बेली-बोरिंग रोड क्रॉसिंग (बेली रोड) तक होगा।

पटना में ऑटो-ट्रक की टक्कर 3 की मौत, हादसे में 6 घायल

एजेंसी, पटना

पटना में बुधवार की सुबह ट्रक ने ऑटो में टक्कर मार दी। ऑटो पर करीब 12 लोग सवार थे, जिसमें 3 की मौत हो गई है। मरने वालों में 2 महिलाएं हैं और एक पुरुष है। ये लोग जहानाबाद से गंगा स्नान के लिए पटना आ रहे थे। इन्होंने करीब 22 किमी का सफर पूरा किया था, इसी दौरान एक ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद ऑटो सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में पलट गया। 2 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति ने पीएमसीएच में इलाज के दौरान दम तोड़ा है। वहीं, हादसे में 6 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए पीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। जिसमें बच्चे भी हैं। मृतकों में जहानाबाद निवासी रामनरेश यादव (55), ललिता देवी (62) और गया के बेलागंज निवासी उषा देवी (44) शामिल हैं। घटना गया-डोभी रोड पर सिमरी फोरलेन के पास की है।

♦ गंगा स्नान के लिए जहानाबाद से आ रहे थे

हादसे के बाद ट्रक चालक फरारः घटना की सूचना मिलते ही परसा बाजार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने बाइपास जीरो माइल ट्रैफिक थाने को सूचित किया, जिसके बाद ट्रैफिक पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने सभी घायलों को पीएमसीएच पहुंचाया और मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। परसा थाना प्रभारी मेनका रानी ने कहा कि ऑटो में लगभग 12 से अधिक लोग सवार थे। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। सभी घायलों का इलाज पीएमसीएच में जारी है।

केंद्र सरकार ने सिर्फ बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी दी है : प्रियंका गांधी

एजेंसी, पटना

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आपके पूर्वजों ने आजादी की लड़ाई लड़ी और आपको एक संविधान दिया। आपके हाथों में शक्ति दी की आप सरकार बनाएं। आज वही अधिकार आपसे छीना जा रहा है। केंद्र सरकार ने सिर्फ बेरोजगारी, महंगाई और गरीबी दी है।

प्रियंका गाधी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनाइए ताकि हालात बदल सकें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को आम लोगों की समस्याओं से इतर इस बात की फिक्र ज्यादा है कि कांग्रेस के पोस्टर में तेजस्वी यादव की तस्वीर नहीं है। उन्होंने कहा कि आप खुद मंच पर अकेले खड़े हैं नीतीश आपके साथ नहीं खड़े हैं। बिहार की सरकार दिल्ली से चल रही है। सभी निर्णय मोदी ले रहे हैं।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि माताएं बहनों की कोई सहायता नहीं करता। चुनाव के पहले जब 10 हजार दिए गए तो सवाल बनता है कि आखिर 20 सालों से यह सहायता क्यों नहीं मिली। प्रत्येक महिला सरकार की नियत समझती है। उन्होंने महिलाओं से अपील किया कि आप ही के पैसे आप ही को देकर कौन सा एहसान कर रहे हैं। देश की संपत्ति बड़े व्यापारियों को दे दिए गए लेकिन किसानों का ऋण माफ नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि सभी कंपनी गुजरात जा रही है। सारा काम गुजरात जा रहा है। जब चुनाव आता है यह जनता को एक दूसरे से लड़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने महिलाओं से कहा कि सभी को समझने और परखने की जरूरत है। देश के प्रति अपनी जिम्मेवारी निभाएं। महागठबंधन आपके लिए देश के लिए कार्य करना चाहता है। राहुल गांधी ने वोट चोरी के लिए यात्रा निकाली, ताकि आपको अधिकार मिले। भाजपा वाले नहीं चाहते कि सामाजिक लड़ाई लड़ी जाए। सभी जातियों को सम्मान और रोजगार मिलना चाहिए। उन्होंने सभी से महागठबंधन के प्रत्याशी को जीताने की अपील की।

पटना में 3 जगह छापेमारी, 17 लाख रुपए बरामद

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक पहले बिहटा इलाके में पुलिस और एसटीएफ ने संयुक्त अभियान चलाकर लगभग 7 लाख रुपए नगद, कई अवैध हथियार और जिंदा कारतूस के साथ 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पटना पुलिस की टीम ऑपरेशन जखीरा तक के तहत कार्रवाई कर रही है। इसी बीच मंगलवार की रात बिहटा थाना की पुलिस को सूचना मिली कि बिहटा थानाक्षेत्र के परेव, कन्हौली और भगवतीपुर गांव में अवैध हथियार रखा गया है। इसके बाद स्थानीय पुलिस और एसटीएफ की टीम ने छापेमारी की। जहां भगवतीपुर निवासी इंद्रजीत कुमार के घर से

पुलिस ने लगभग 7 लाख 26 हजार नगद रुपए बरामद किए। इसके अलावा कन्हौली गांव निवासी ललित मोहन राय के घर से पुलिस ने 2 कट्टा, एक पिस्टल, एक 2 नाली बंदूक, 27 कारतूस, एक खोखा और एक शराब की बोतल सहित 10 लाख रुपए बरामद किए। इसके बाद ललित मोहन राय को गिरफ्तार किया गया है। तीसरा मामला बिहटा थानाक्षेत्र के परेव गांव का है। जहां परेव निवासी बृज कुमार के घर छापेमारी के दौरान पुलिस ने 2 देसी कट्टा, एक राइफल और 5 कारतूस बरामद किया है।

तीनों से पूछताछ की जा रही हैः पुलिस ने 3 को गिरफ्तार किया है। तीनों से पुलिस पूछताछ कर रही है। कार्रवाई 6 नवंबर को होने वाले पहले चरण के मतदान से पहले की गई है, जिसमें पटना जिले की 14 विधानसभा सीटों में मनेर विधानसभा का बिहटा क्षेत्र भी शामिल है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान बिहटा के भगवतीपुर गांव निवासी इंद्रजीत कुमार, कन्हौली गांव निवासी ललित मोहन राय और परेव गांव निवासी बृज कुमार के रूप में हुई है। मामले की जानकारी पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने दी है।

कार्तिक पूर्णिमा पर पटना की सड़कों पर लगा जाम

- दीघा एम्स-पाटली पथ रोड पर 3.5 किमी तक गाड़ियों की कतार, ट्रैफिक में स्कूल बस भी फंसी

एजेंसी, पटना

पटना में आज कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर गंगा घाटों पर सुबह से श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा है। श्रद्धालु गंगा स्नान और पूजा-पाठ कर रहे हैं। घाटों पर भीड़ उमड़ी हुई है तो दूसरी तरफ पटना की सड़कों पर जाम लगा है। पटना के दीघा AIIMS-पाटली पथ रोड पर गाड़ियों की लंबी कतार लगी है। करीब साढ़े 3 किमी तक लोग फंसे हुए हैं। जाम में स्कूल बस भी फंसी हुई है। इसके अलावा अटल पथ, घुड़दौड़ रोड, दीघा चौक पर लगा भीषण जाम है। पटना नगर निगम ने करीब 30 घाटों पर तैयारियों कर रखी हैं। जिसमें बांकीपुर अंचल में 12, पाटलिपुत्र अंचल में 8, पटना सिटी अंचल में 3, अजीमाबाद अंचल में 7 और नूतन राजधानी अंचल में 1 घाट शामिल है। तीन लेयर में बैरिकेडिंग की गई है। सुबह से ही श्रद्धालु गंगा स्नान कर रहे हैं। ऐसी मान्यता है कि कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से पूरे वर्ष गंगा स्नान करने का फल मिलता है।

पटना-बख्तियारपुर स्टेट हाईवे पर भी जामः कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर फतुहा के गंगा घाट (त्रिवेणी संगम, मस्ताना घाट) पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पटना-बख्तियारपुर स्टेट हाईवे (SH-106) पर रायपुरा से मौजीपुर तक लगभग 2 किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। इसके अलावा, फतुहा चौराहा पर सबसे भीषण जाम की स्थिति है, जिससे स्टेशन रोड और गंगा घाट की ओर आवागमन पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। यातायात को सामान्य बनाने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल कड़ी मशक्कत कर रहा है।

गंगा घाट जाने वाले रास्ते पर लगा जामः दानापुर के मिथिला कॉलनी के पास फक्कड़ महतो घाट पर कार्तिक पूर्णिमा पर गंगा में स्नान करने लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे है, जिसको लेकर दानापुर गांधी मैदान मुख्य मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई, गाड़ियां रेंगते हुए आगे बढ़ रही थी। जिसके बाद भारी संख्या में स्थानीय पुलिस पदाधिकारी मोर्चा संभालते हुए जाम छुड़ाने की कोशिश में जुट गए। दीघा आशियाना रोड में लगा भीषण जाम, ट्रैफिक का एक भी जवान मौजूद नहीं, कई km तक गाड़ियों की लंबी कतारों से लोग परेशान हैं।

अनंत सिंह ने लाव लश्कर पर उड़ाए 10.84 लाख रुपए, प्रत्याशियों ने चुनाव प्रचार का सौंपा ब्योरा

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार का समय खत्म हो चुका है। जिसके बाद प्रत्याशी अपने चुनावी खर्चे का ब्योरा समाहरणालय में जमा कर रहे हैं। अभी तक के आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक खर्च फतुहा के राजद प्रत्याशी ने डॉ. रामानंद यादव ने किया है। इन्होंने अब तक 17.56 लाख रुपए खर्च किए हैं। वहीं, सबसे कम खर्च मनेर से राजद के भाई वीरेंद्र ने किया है। इनके दिए ब्योरे के अनुसार इन्होंने 3.49 लाख रुपए ही चुनाव के प्रचार में लगाए हैं, जबकि खर्च की सीमा 40 लाख रुपए तय की गई है। पटना जिले के सभी प्रत्याशियों ने मंगलवार तक अपना खर्च विवरण व्यय कोषांग में प्रस्तुत कर दिया है। आज अंतिम आंकड़े जिला

प्रशासन की ओर से आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे।

किस प्रत्याशी ने कितना खर्च कियाः दानापुर से भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव का चुनावी खर्च 13.26 लाख रुपए दर्ज। मोकामा से जदयू के अनंत सिंह ने 10.84 लाख रुपए खर्च किए हैं। बाढ़ से राजद के कर्णवीर सिंह यादव का खर्च 12.71 लाख रुपए। बख्तियारपुर से लोजपा (आर) के अरुण कुमार का खर्च 4.12 लाख रुपए तक हुआ। दीघा विधानसभा में जन सुराज के रीतेश रंजन सिंह (बिट्टू) ने 14.36 लाख रुपए, जबकि भाजपा के डॉ. संजीव चौरसिया ने 9.11 लाख रुपए खर्च का ब्योरा दिया है। बांकीपुर से भाजपा के नितिन नवीन ने 8.06 लाख खर्च किए। कुम्हरार से कांग्रेस के इंद्रदीप चंद्रवंशी ने 8.08 लाख रुपए लगाए।

पटना साहिब से कांग्रेस के शशांत शेखर ने 9.05 लाख रुपए खर्च किए हैं। मसौढ़ी से राजद की रेखा देवी का खर्च 13.68 लाख रुपए रहा। बिक्रम से भाजपा के सिद्धार्थ सौरभ ने 5.89 लाख रुपए खर्च किए हैं। पालीगंज से लोजपा (आर) के सुनील कुमार ने 7.06 लाख रुपए। भाकपा माले के संदीप सौरभ ने 4.42 लाख रुपए का ब्योरा दिया। फुलवारी से जदयू के श्याम रजक ने 7.91 लाख रुपए खर्च की जानकारी दी है।

उम्मीदवार खर्च का ब्योरा पोर्टल पर भी अपलोड करेंगेः पटना समाहरणालय के व्यय कोषांग में मंगलवार को पूरे दिन प्रत्याशियों के एजेंट और प्रतिनिधि अपने-अपने अभ्यर्थियों का खर्च हिसाब जमा कराते रहे। अधिकारी और कर्मचारी इन ब्योरे की जांच-पड़ताल और गणना में जुटे रहे। सभी उम्मीदवारों को अपने खर्च का ब्योरा ऑनलाइन पोर्टल पर भी अपलोड करना अनिवार्य किया गया है।

रक्सौल मे कांग्रेस प्रत्याशी भीतरघात की संभावना से सकते मे, भाजपा प्रत्याशी की पकड़ हुई मजबूत

सागर सूरज

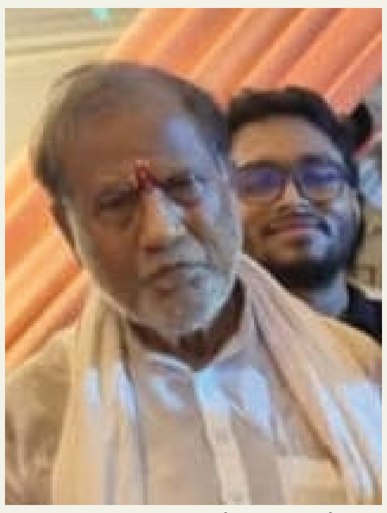

बीएनएम @ मोतिहारी। रक्सौल विधानसभा क्षेत्र, जो भारत-नेपाल सीमा के समीप पूर्वी चंपारण जिले में स्थित है, बिहार की राजनीति में काफी महत्वपूर्ण और दिलचस्प सीट है। इसका चुनावी इतिहास बताता है कि 1951 से लेकर 1990 तक यह कांग्रेस का गढ़ रहा, जहां कांग्रेस उम्मीदवारों ने बार-बार जीत दर्ज की। 1990 और 1995 के चुनावों में जनता दल ने इस सीट पर कब्जा किया। लेकिन 2000 के बाद से भाजपा का दबदबा इस सीट पर स्थिर हो गया है। खासकर डॉ. अजय कुमार सिंह ने 2000 से 2015 तक लगातार कई बार जीत हासिल की। 2020 में भाजपा के प्रमोद कुमार सिन्हा ने कांग्रेस के रामबाबू यादव को लगभग 37 हजार वोटों के बड़े अंतर से परास्त कर इस सीट पर अपनी पार्टी की पकड़ को और मजबूत किया। यह जीत मात्र उम्मीदवार की व्यक्तिगत लोकप्रियता का परिणाम नहीं, बल्कि भाजपा की क्षेत्रीय संगठनात्मक मजबूती का प्रदर्शन है।जनसांख्यिकीय दृष्टि से रक्सौल विधानसभा क्षेत्र में यादव, मुस्लिम, भूमिहार, कोइरी, ब्राह्मण और राजपूत जातीय समूह प्रमुखता से मौजूद हैं। इस बार भाजपा के साथ कानू, तेली, कुर्मी, सोनार, सर्राफ, नगर परिषद क्षेत्र के कलवार आदि जातियाँ एक जुट दिख रही. भाजपा और जदयू की प्रम्पारगत मतों मे भी कोई विभाजन नजर नहीं आ रहा है. पूर्व विधायक डॉ अजय कुमार के प्रभाव वाले कुछ राजपूत कांग्रेस उम्मीदवार श्याम बिहारी प्रसाद के खेमे मे जा सकते है। इस विधानसभा मे मतदाता लगभग 87 प्रतिशत ग्रामीण हैं, लेकिन भाजपा ने यहां अपनी पकड़ मजबूत कर यह धारणा तोड़ी है कि वह केवल शहरी या मध्यम वर्ग की पार्टी है। पिछले चुनावों में यह साफ देखा गया कि भाजपा के वोट प्रतिशत में निरंतर वृद्धि हुई है, जो उसकी बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा ने इस क्षेत्र की छह विधानसभा सीटों में प्रमुख बढ़त बनाई थी, जो आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के लिये सकारात्मक संकेत है। हालांकि, 2025 के विधानसभा चुनाव में जन सुराज पार्टी भी राजनीतिक रूप से सक्रिय हो रही है। जन सुराज का एक नया विकल्प के रूप में उभरना, खासकर मुस्लिम-यादव मतदाताओं के बीच, इस चुनावी समीकरण को जटिल बना रहा है। इस चुनाव में महागठबंधन की पारंपरिक मुस्लिम-यादव एकजुटता कमजोर नजर आ रही है। कांग्रेस ने रक्सौल से श्याम बिहारी प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है, जो 74 वर्ष के पूर्व विधायक हैं। इस चयन ने कांग्रेस के ही कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष बढ़ा दिया है, क्योंकि वे यादव और मुस्लिम मतदाताओं के बीच प्रभावी संवाद स्थापित करने में विफल प्रतीत हो रहे हैं। महागठबंधन की तरफ से अन्य घटक दल जैसे राजद, वामदल और वीआईपी के कार्यकर्ता गतिविधियों में कम सक्रिय हैं, जिसके चलते मतदाता असंतोष की स्थिति में हैं। रक्सौल में इस चुनाव को केवल भाजपा और कांग्रेस का मुकाबला नहीं, बल्कि 'जेडीयू बनाम जेडीयू बनाम जेडीयू' जैसा देखा जा रहा है क्योंकि बीजेपी के प्रमोद कुमार सिन्हा, कांग्रेस के श्याम बिहारी प्रसाद और जन सुराज के कपिल देव प्रसाद उर्फ़ भुवन पटेल सभी किसी न किसी समय नीतीश कुमार की करीबी राजनीतिक शैली से जुड़े रहे हैं। इस त्रिकोणीय मुकाबले में जातीय और राजनीतिक समीकरण बेहद प्रभावी होंगे। मुस्लिम-यादव मतदाता, जो लगभग सवा लाख हैं, राजनीतिक रूप से अब तक बंटे हुए हैं। कांग्रेस उम्मीदवार की ओर से इस वर्ग को लेकर उपेक्षा और आत्मसंतुष्टि ने हथियार उनके हाथ से निकालते दिख रही है। हो सकता है वोटिंग के दिन तक इंडि गठबंधन के मुख्य आधार मत यादव मुस्लिम एक हो जाये लेकिन इसकी संभावनाएं कम ही प्रतीत होती दिख रही है, क्योंकि कई यादव नेताओं ने तो खुलेआम भाजपा उम्मीदवार के पक्ष मे हवा बनाना शुरू कर दिया है। वहीं भाजपा हिंदू ध्रुवीकरण के जरिए इस वोट बैंक को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रही है। जन सुराज पार्टी की सेकुलर छवि और स्थानीय नेतृत्व इसे मुस्लिम-यादव मतदाताओं के बीच आकर्षक विकल्प बना रही है। कई मुस्लिम और यादव नेता भी अब भाजपा और जन सुराज के लिए वोट की अपील कर रहे हैं, जो चुनावी समीकरण को और पेचीदा बना रहा है।विश्लेषकों का मानना है कि श्याम बिहारी प्रसाद की पुरानी शैली की राजनीति और महागठबंधन के संरक्षण का अभाव इस बार उन्हें भारी पड़ सकता है। उनका यादव और मुस्लिम वोट बैंक खोना महागठबंधन के लिए गंभीर चुनौती साबित हो सकता है। डैमेज कंट्रोल में सुरेश यादव को मैदान में उतारा गया है, लेकिन उसका असर चुनाव परिणाम में साफ़ दिखाई देगा। महागठबंधन से रामबाबू यादव, सुरेश यादव, डॉ मनीष और डॉ गौतम जैसे लोग टिकट के प्रवाल दावेदार थे लेकिन नरकटिया विधानसभा के पूर्व विधायक श्याम बिहारी को रक्सौल से टिकट देने की घटना पार्टी के भीतर ही भारी भीतरघात की संभावना को बल दे रहा है। इस चुनाव में मुख्य मुद्दे स्थानीय विकास, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, और कानून व्यवस्था हैं, जिन पर मतदाता विशेष ध्यान दे रहे हैं। भाजपा की मजबूत संगठनात्मक तैयारियां और व्यापक मतदाता आधार इसे मजबूत दावेदार बनाते हैं। जबकि जन सुराज पार्टी को जनसंपर्क के जरिए अपनी पकड़ मजबूत करना होगा। रक्सौल विधानसभा सीट पर 2025 का चुनाव जातीय समीकरण, विकास मुद्दों और पार्टी छवि के जटिल मिलन पर टिका होगा। भाजपा के लिए यह सीट जीतना आवश्यक है और उनकी स्थिति वर्तमान में मजबूती से स्थिर है। लेकिन जन सुराज और महागठबंधन की आंतरिक कमजोरियों से भाजपा को फायदा मिलने के बावजूद, चुनाव परिणाम 14 नवंबर को घोषित होने पर ही पूरी तरह स्पष्ट होगा। अंत समय मे मतों के ध्रुवकारण की प्रवल संभावना है. और अगर ऐसा हुआ तो लड़ाई भाजपा कांग्रेस मे सीधी हो सकती और कोई भी बाजी मार सकता है। लेकिन महिला मतदाता और महिलाओं को 10 हजार रुपया और पेंशन को 400 से 1100 करना भाजपा प्रत्याशी को बल दे रहा है।

जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनरों ने द्वितीय स्तर के प्रशिक्षण में छठे व अंतिम दिन चिरैया एवं ढाका विधानसभा के मतदान दल के कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

» अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा एवं एडीएम (लोक शिकायत) शैलेंद्र कुमार भारती प्रशिक्षण की गुणवत्ता का लिया जायजा

बीएनएम @ मोतिहारी

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन -2025 को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतू जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, पूर्वी चम्पारण ,मोतिहारी द्वारा स्थानीय सीएस डीएवी पब्लिक स्कूल मोतिहारी के प्रांगण में चल रहे दूसरे स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे और अंतिम दिन चिरैया एवं ढाका विधानसभा क्षेत्र के मतदान दल के कर्मियों का प्रशिक्षण कमरा संख्या 1 से 33 में सुचारु रूप से सम्पन्न हुआ। जिले के कुशल एवं योग्य मास्टर ट्रेनरों की संगठित टीम द्वारा आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रपत्रों, ईवीएम संचालन से जुड़ी हुई तकनीकी जानकारी एवं चुनाव के दौरान विभिन्न प्रकार के होने वाले कठिनाई से बचने की जानकारी प्रदान की गई। मास्टर ट्रेनरों द्वारा मॉक पोल, पीआरओ ऐप, मॉक पोल के दौरान प्रतिस्थापन, पहले मतदाता के मतदान करने के पूर्व शून्य जांच, मतदान प्रारंभ सूचना ,वीटीआर, मतदान के दौरान प्रतिस्थापन, 100% वेव कास्टिंग, डायरी एवं विजिट शीट, मतदान समापन एवं अंतिम मिलन कार्यक्रम, सीलिंग एवं पावर पैक का प्रतिस्थापन, पीआरओ एप्प, ऑनलाइन असेसमेंट के साथ-साथ चुनाव में प्रयुक्त मोहर, विभिन्न प्रकार के क्रियाकलापों की जानकारी दी गई। इस दौरान चल रहे प्रशिक्षण की गुणवत्ता, चुनाव आयोग के गाइड लाइन इत्यादि की जाँच अपर समाहर्ता, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी मुकेश सिन्हा द्वारा की गई और प्रशिक्षण को नियमानुकूल बताते हुए संतोष व्यक्त किया गया। वहीं प्रशिक्षण प्रबंधन कोषांग के नोडल अधिकारी सह जिला पंचायती राज पदाधिकारी राम जन्म पासवान ने बताया कि चुनाव कार्य का रीढ़ है। यह प्रशिक्षण जिसके द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सम्पन्न कराया जा सकेगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी ने सभी ट्रेनरों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने अपना सर्वोत्तम योगदान देने का सार्थक प्रयास किया है जो चुनाव कार्य हेतु महत्वपूर्ण है। मौके पर वरीय मास्टर ट्रेनर नागेंद्र प्रसाद,रमेश कुमार,कमलेश कुमार सिंह, पूनम कुमारी, प्रणव कुमार, शैलेंद्र मिश्रा, रामेश्वर राम, रानी कुमारी, अंजना कुमारी, अभिनव आनंद, अरुण सिंह इत्यादि मौजूद थे।

पूर्वी चंपारण की सभी 12 विधानसभा के अभ्यर्थियों का द्वितीय व्यय लेखा-जांच व्यय प्रेक्षकों की उपस्तिथि में सम्पन्न

» निर्वाचन खर्च की जांच में सख्ती, अनुपस्थित अभ्यर्थियों को नोटिस जारी
» चुनावी पारदर्शिता सुनिश्चित करने को तीन केंद्रों पर हुआ द्वितीय लेखा परीक्षण
» आगामी 08 नवम्बर को होगा तृतीय लेखा-जांच

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा आम चुनाव-2025 के अंतर्गत पूर्वी चंपारण जिले की सभी 12 विधानसभा क्षेत्रों के अभ्यर्थियों के द्वितीय व्यय लेखा-जांच कार्य संपन्न कर लिया गया। निर्वाचन व्यय की निगरानी में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह जांच तीन अलग-अलग स्थलों पर की गई। विदित हो कि निर्वाचन आयोग द्वारा प्रत्येक अभ्यर्थी को चुनाव प्रचार में अधिकतम रु- 40 लाख व्यय की सीमा निर्धारित की गई है। यह भी अनिवार्य है कि समस्त खर्च चुनाव हेतु खोले गए निर्वाचन बैंक खाते से ही किए जाएं। व्यय प्रेक्षकों की उपस्तिथि तीन स्थलों पर हुई लेखा-जांच : विधानसभा क्षेत्र रक्सौल, नरकटिया, सुगौली, केसरिया, गोविन्दगंज एवं हरसिद्धि के अभ्यर्थियों की लेखा-जांच राधाकृष्ण हॉल, मोतिहारी में व्यय प्रेक्षक की देखरेख में की गई। तो वहीं कल्याणपुर, मधुबन एवं पिपरा विधानसभा क्षेत्रों की जांच अनुमंडल पदाधिकारी, चकिया के सभागार में व्यय प्रेक्षक की देखरेख में सम्पन्न हुई। इसी प्रकार मोतिहारी, चिरैया एवं ढ़ाका विधानसभा क्षेत्रों के अभ्यर्थियों की लेखा-जांच कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी में भी व्यय प्रेक्षक की देखरेख में की गई । वहीं अनुपस्थित अभ्यर्थियों को नोटिस जारी : चिरैया विधानसभा से एक तथा मोतिहारी विधानसभा से दो अभ्यर्थी जांच के दौरान अनुपस्थित पाए गए। ऐसे अभ्यर्थियों को नोटिस जारी किया गया है। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया जाता, तो संबंधित अभ्यर्थियों की वाहन उपयोग की अनुमति रद्द किए जाने के साथ-साथ अन्य विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं अब तृतीय लेखा-जांच 08 नवम्बर को : सभी 12 विधानसभा क्षेत्रों के अभ्यर्थियों का तृतीय व्यय लेखा-जांच आगामी 08 नवम्बर 2025 को निर्धारित स्थलों पर की जाएगी। इसकी पूर्व सूचना अभ्यर्थियों को दे दी गई है। समन्वय में जुटे निगरानी दल : अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय की सतत निगरानी के लिए AEO, FST, SST, VST, VVT, AT, कस्टम, नारकोटिक्स, स्टैटिक पुलिस, MCMC कोषांग सहित विभिन्न दलों के बीच समन्वय स्थापित कर कार्य किया जा रहा है। अभ्यर्थियों को दिए निर्देश : अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने सभी खर्च जैसे रैली, सभा, जुलूस, रोड शो, वाहन व्यय, भोज इत्यादि को सही ढंग से निर्वाचन व्यय पंजी में अंकित करें। किसी भी प्रकार की विसंगति पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में जानकारी देते हुए नोडल पदाधिकारी सह राज्यकर संयुक्त आयुक्त संतोष कुमार ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी दलों के बीच निरंतर तालमेल एवं रिपोर्टिंग की प्रक्रिया चल रही है ताकि व्यय अनुश्रवण की पारदर्शिता और निष्पक्षता बरकरार रहे।

ईवीएम का पूरक रेंडमाइजेशन कार्य संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी

भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा नियुक्त 13- हरसिद्धि विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रेक्षक मोहित बिंदास एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की उपस्थिति में ईवीएम के पूरक रेंडमाइजेशन का कार्य आज संपन्न कर लिया गया। ईवीएम कमिश्निंग के दौरान पाई गई कमियों को देखते हुए ईवीएम को रिप्लेस किया जाना था, जिसके लिए आज पूरक रेंडमाइजेशन कर दिया गया। इस अवसर पर राजनीतिक दलों के जिला स्तरीय प्रतिनिधि एवं निर्वाचन लड़ रहे प्रत्याशी/उनके प्रतिनिधि उपस्थित थे। रेंडमाइजेशन का कार्य पूर्वी चंपारण समाहरणालय मोतिहारी स्थित एनआईसीमें संपन्न कराई गई। इस अवसर पर उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारीगण भी उपस्थित थे।

पूर्वी चंपारण में तेजस्वी यादव का शक्ति प्रदर्शनः हर परिवार को नौकरी, हर महिला को 30 हजार देने का वादा

» 'मैं नेता नहीं, हरसिद्धि का बेटा हूं': राजेंद्र

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार अब पूरी रफ्तार पर है। बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव पूर्वी चंपारण पहुंचे, जहां उन्होंने हरसिद्धि, कल्याणपुर, मोतिहारी और ढाका विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं कर महागठबंधन उम्मीदवारों के पक्ष में समर्थन जुटाया।

गायघाट हाई स्कूल मैदान में आयोजित विशाल जनसभा में उमड़े जनसैलाब को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि राजद की सरकार बनते ही हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। उन्होंने महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि 'माई-बहन योजना' के तहत हर महिला को 30 हजार रुपये की सीधी सहायता राशि दी जाएगी। तेजस्वी ने कहा, "यह सिर्फ वादा नहीं, मेरा संकल्प है, जिसे हर हाल में पूरा करूंगा।" केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, "केंद्र मेरे खिलाफ पूरी ताकत झोंक रहा है, विपक्ष 30 हेलीकॉप्टर से सभाएं कर रहा है, जबकि मैं अकेला एक हेलीकॉप्टर से जनता के बीच पहुंच रहा हूं।"

"हमारे चाचा जी अब अचेत अवस्था में हैं"- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर व्यंग्य कसते हुए तेजस्वी बोले, "हमारे चाचा जी अब अचेत अवस्था में हैं, लेकिन हमें उनकी चिंता है।" उन्होंने कहा कि बिहार की जनता परिवर्तन चाहती है और इस बार राज्य को नई दिशा देने का समय आ गया है। तेजस्वी ने कहा कि उनकी सरकार बनने पर 'दवाई, कमाई, सिंचाई और पढ़ाई' पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही युवाओं को रोजगार, हर परिवार को 5 लाख रुपये का मुफ्त बीमा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने का वादा किया।

राजद प्रत्याशी बोले — 'मैं नेता नहीं, हरसिद्धि का बेटा हूं'-राजद प्रत्याशी राजेंद्र कुमार राम ने कहा कि चुनाव हारने के बाद भी वे जनता के बीच रहकर सेवा करते रहे हैं। उन्होंने कहा, "मैं नेता नहीं, हरसिद्धि का बेटा हूं, और क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा संघर्ष करता रहूंगा।" सभा के दौरान जंगबहादुर कुशवाहा ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ राजद की सदस्यता ली, वहीं पूर्व विधायक अवधेश प्रसाद कुशवाहा के पुत्र नागार्जुन कुशवाहा को भी तेजस्वी यादव ने पार्टी की सदस्यता दिलाई।

भीड़ से गूंज उठा कल्याणपुर और मोतिहारी का मैदान-कल्याणपुर में आयोजित सभा में तेजस्वी यादव के साथ राजद प्रत्याशी मनोज यादव, हरसिद्धि से राजेंद्र राम और मोतिहारी से देवा गुप्ता सहित अन्य महागठबंधन प्रत्याशी मंच पर मौजूद रहे। सभा स्थल पर भारी भीड़ उमड़ी और 'तेजस्वी यादव जिंदाबाद' के नारों से पूरा मैदान गूंज उठा।

पूर्वी चंपारण में तेजस्वी यादव का यह दौरा महागठबंधन के चुनाव प्रचार को नई ऊर्जा और गति देने वाला माना जा रहा है।

जिला के सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें- जिलाधिकारी

» पूर्वी चंपारण जिला में मतदान 11 नवंबर को होना है।

बीएनएम @ मोतिहारी

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन-2025 के अवसर पर पूर्वी चंपारण जिला के सभी 12 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आगामी 11 नवंबर को मतदान की तिथि निर्धारित है। जिला के सभी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें इसको लेकर संपूर्ण जिला में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मतदाता जागरूकता अभियान की इसी कड़ी में बुधवार को जिला स्तर पर जिला स्वीप कोषांग के माध्यम से मोतिहारी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य मैच के माध्यम से लोगों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए संदेश दिया जा सके। फुटबॉल मैच का शुभारंभ जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा किया गया। इस अवसर पर नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, सहायक समाहर्ता प्रिया रानी, जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन कुमार गिरी, जिला खेल पदाधिकारी शुभम कुमार, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश, निधि कुमारी सहित अन्य पदाधिकारी, बड़ी संख्या में गणमान्य एवं नए मतदाता (फर्स्ट टाइम वोटर) उपस्थित थे। फुटबॉल मैच के उद्घाटन से पहले जिलाधिकारी एवं नगर आयुक्त सहित अन्य पदाधिकारीगण के द्वारा सभी खिलाड़ी, टीम के मैनेजर एवं रेफ्रीगण का परिचय प्राप्त किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि बुधवार को इस फुटबॉल मैच के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम को एक नया आयाम प्रदान किया जा रहा है जिसके माध्यम से संपूर्ण जिला वासियों को यह संदेश जाएगा कि सभी मतदाताओं को आगामी 11 नवंबर को अपना मतदान करना है। जिलाधिकारी ने जिला के सभी मतदाताओं से इस अवसर पर अपील की लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर अपने कर्तव्य का पालन करें। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मतदान का सर्वाधिक महत्व है। इसके माध्यम से मतदाता अपनी सरकार का चयन करते हैं। यह अवसर 5 वर्षों में एक बार मिलता है। लोगों को बढ़-चढ़कर मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जो लोग फुटबॉल मैच में हिस्सा ले रहे हैं वे सभी लोग मतदाता जागरूकता एंबेसडर के रूप में कार्य करेंगे एवं अपने माध्यम से भी लोगों को जागरूक करेंगे। यह मैच स्पोर्ट्स क्लब मोतिहारी और किड्स स्पोर्ट्स एकेडमी लखौरा के बीच खेला गया। जिसमें स्पोर्ट्स क्लब ने किड्स स्पोर्ट्स एकेडमी लखौरा को 2-0 से पराजित कर विजेता बनी। खेल के 5 वें मिनट पे स्पोर्ट्स क्लब के मो अफरोज आलम ने एक गोल कर स्कोर 1-0 कर टीम को बढ़त दिलाई, उसके बाद फिर 25 वें मिनट पे मो अफरोज ने अपनी दूसरी गोल कर स्कोर 2-0 किया जो अंत तक कायम रहा। फुटबॉल के ऑफिसियल, रवि रंजन कुमार एवं अनिमेष कुमार थे। फुटबॉल मैच में भाग लेने वाली दोनों टीमों को ट्रॉफी प्रदान की गई एवं सभी खिलाड़ियों को मेडल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी ने सभी खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त समाचार

लोरिया में तेजस्वी यादव की सभा

बीएनएम @ योगापट्टीः तेजस्वी यादव की आज 18 सभाएं हैं। पहली सभा तेजस्वी ने पश्चिम चंपारण के लौरिया में की। उसके बाद वो रामनगर पहुंचे। यहां तेजस्वी ने कहा कि 14 जनवरी को मां-बहनों के खातों में एकमुश्त 30 हजार डाले जाएंगे।उन्होंने कहा सरकार बनवा दीजिए हर घर में नौकरी दूंगा। हम मां-बहिन को 30 हजार रुपए एक साथ देंगे। ये जो सरकार है वो 10 हजार कर्ज दे रही है। हमारा कर्ज नहीं होगा। रामनगर को जिला बनाएंगे।तेजस्वी यादव ने कहा कि, जिस मोबाइल से आप लोग रिकॉर्डिंग कर रहे हैं, उसी मोबाइल में नौकरी का मैसेज आएगा।

झाझा पुलिस ने एक घर से 32 लाख 42 हजार रुपये नकद बरामद

बीएनएम @ जमुई/झाझा। झाझा पुलिस ने बुधवार को एक बड़ी कार्रवाई करतें हुए ठीक विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले भारी मात्रा में नकदी बरामद की है। झाझा थानाक्षेत्र के रजला कला गांव में छापेमारी के दौरान पुलिस ने एक घर से 32 लाख 42 हजार रुपये नकद बरामद किए। बरामद रकम को जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित विभाग को सूचना दी गई है। पुलिस का कहना है कि इस पूरे मामले में आयकर विभाग और चुनाव आयोग से भी समन्वय स्थापित किया जा रहा है। झाझा एसडीपीओ राजेश कुमार ने थाना परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि महेंद्र यादव नामक व्यक्ति के घर में संदिग्ध नकदी रखी गई है। सूचना के आधार पर एफएसटी टीम और थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। पुलिस ने इतनी बड़ी नकदी मिलने के बाद आय के स्रोत और संभावित राजनीतिक कनेक्शन की जांच शुरू कर दी है। एसडीपीओ ने कहा कि अभी तक किसी भी राजनीतिक संबंध की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन चुनावी फंडिंग से जुड़ी आशंका को देखते हुए मामला गंभीरता से जांच के अधीन है। छापेमारी के समय महेंद्र यादव घर पर मौजूद नहीं थे। पुलिस ने उनकी पत्नी से पूछताछ की, लेकिन वह बरामद रकम के स्रोत के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे सकीं। बताया गया कि महिला आशा कार्यकर्ता हैं जबकि उनके पति महेंद्र यादव कीर्तन-भजन गाने का कार्य करते हैं।

झाझा में सीएम का चुनावी जनसभा आज

बीएनएम @ जमुई/झाझा। बिहार विधानसभा चुनाव में दूसरे फेज में झाझा विधानसभा क्षेत्र के लिए होने वाले मतदान को लेकर जदयू प्रत्याशी दामोदर रावत के पक्ष में मतदान करने की अपील करने के लिए बिहार के सीएम नीतीश कुमार चुनावी जनसभा में लोगों के बीच जीत के लिए हुंकार भरने के लिए रेलवे चांदवारी मैदान में पहुंचेगे जिनके साथ सांसद संजय कुमार झा भी रहेंगे। सीएम के आगमन को लेकर बुधवार को रेलवे चांदवारी मैदान में सीएम की सुरक्षा को लेकर विशेष सुरक्षा दल की टीम पहुंचे हुए थे। जहां एसडीपीओ राजेश कुमार, एसएचओ संजय कुमार, बीडीओ सुनील कुमार चांद, नप ईओ डॉक्टर जनार्दन प्रसाद वर्मा, स्वच्छता पदाधिकारी मोनिका सिंह के साथ साथ एनडीए कार्यकर्ता के साथ मैदान की बारीकी से जांच किया। सुरक्षा दल की टीम, एसडीपीओ ने हेलीपैड स्थल का भी निरीक्षण किया। इसके अलावे खेल मैदान के चारों तरफ का भी मुआयना किया। एसडीपीओ ने बताया कि सीएम के सुरक्षा को लेकर आसपास रेलवे कॉलोनी में रहने वाले लोगों का सत्यापन किया गया। इसके अलावे वन वे सुबह 7 बजे से ही लागू होगा। लोगों के लिए जनसभा स्थल पर पैदल आने की अनुमति दी जाएगी और कार्यक्रम स्थल के चारों तरफ भी पुलिस बल नियुक्त की जाएगी। एसडीपीओ ने बताया कि सीएम के आगमन को लेकर पुख्ता इंतेजाम रहेगा।

दरभंगा में बाल सुधार गृह से 12 बच्चे फरार, सुरक्षा पर उठे सवाल

बीएनएम @ दरभंगा। जिले के लहेरियासराय स्थित बाल सुधार गृह से मंगलवार देर रात एक बड़ी घटना सामने आई। यहां 12 बाल अपराधियों ने मिलकर सुरक्षा गार्ड पर हमला किया और ऊंची दीवार फांदकर फरार हो गए। रात करीब 11 बजे हुई इस वारदात से पुलिस और जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया।सूत्रों के अनुसार, बच्चों ने अचानक हमला कर डंडों और ईंटों से गार्डों को घायल कर दिया। हमले के बाद सभी 12 आरोपी पीछे की दीवार फांदकर परिसर से भाग निकले। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी दरभंगा जगन्नाथ रेड्डी जलारेड्डी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि अब तक 5 बच्चों को पकड़कर दोबारा बाल सुधार गृह भेजा गया है, जबकि शेष 7 की तलाश जारी है।पुलिस ने सभी थानों को अलर्ट कर दिया है और शहर व ग्रामीण इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्ध रास्तों पर नाकेबंदी की गई है।स्थानीय सूत्रों का कहना है कि यह बाल सुधार गृह पहले से ही कमजोर सुरक्षा व्यवस्था के लिए बदनाम रहा है। कई बार यहां कर्मियों की लापरवाही और अनुशासनहीनता की शिकायतें सामने आ चुकी हैं। अब एक बार फिर इस घटना ने सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।एसएसपी ने कहा कि सभी बच्चे जल्द से जल्द बरामद किए जाएंगे और संबंधित जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी बताया कि बाल सुधार गृह की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी गई है ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो। फिलहाल इस घटना से पूरे लहेरियासराय इलाके में सनसनी फैल गई है।

बिहार चुनाव : पीके को लगा बड़ा झटका, मतदान से एक दिन पहले जन सुराज प्रत्याशी ने थामा बीजेपी का दामन

बीएनएम @पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग से ठीक एक दिन पहले मुंगेर से बड़ा सियासी उलटफेर सामने आया है। जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार संजय सिंह ने मंगलवार को पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (BJP) में शामिल होने का ऐलान कर दिया। उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार कुमार प्रणय की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और उनके समर्थन में प्रचार शुरू करने की घोषणा की।यह कदम प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी जन सुराज के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। आखिरी समय में अपने ही उम्मीदवार का विरोधी दल में शामिल होना न केवल जन सुराज की रणनीति पर सवाल खड़े करता है, बल्कि वोटिंग पर भी इसका सीधा असर पड़ सकता है।संजय सिंह के बीजेपी में शामिल होने के बाद मुंगेर की राजनीति में हलचल मच गई है। स्थानीय राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस घटनाक्रम से भाजपा को सीधा फायदा मिल सकता है, जबकि जन सुराज समर्थकों में निराशा का माहौल है। यह पहली बार नहीं है जब जन सुराज के नेता या समर्थक चुनाव से पहले बीजेपी का रुख कर रहे हों। इससे पहले भी टिकट बंटवारे के समय कुछ नेताओं ने पार्टी छोड़ दी थी, जिस पर प्रशांत किशोर ने बीजेपी को "प्रत्याशी चोर" तक कहा था।इसी बीच मुंगेर सीट पर एक और मुद्दा चर्चा में है—बीजेपी उम्मीदवार कुमार प्रणय की संपत्ति का।

सामान्य प्रेक्षक हनीश छाबड़ा ने सुगौली विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

बीएनएम @ सुगौली

बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 के तहत भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा नियुक्त 11-सुगौली विधानसभा क्षेत्र के सामान्य प्रेक्षक हनीश छाबड़ा ने बुधवार को विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया और तैयारियों का स्थलीय जायजा लिया। प्रेक्षक हनीश छाबड़ा सबसे पहले अहिरोलिया पंचायत के महादलित बस्ती पहुंचे, जहां उन्होंने मतदाताओं से बातचीत कर मतदाता पर्ची वितरण की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि सभी को पर्चियां मिल चुकी हैं और मतदान को लेकर कोई परेशानी नहीं है। मतदाताओं ने 11 नवंबर को मतदान करने का आश्वासन दिया। इसके बाद उन्होंने पाखनहीया के चलंत मतदान केंद्र संख्या 14 का निरीक्षण किया। इस दौरान सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी रामगढ़वा तथा सेक्टर पदाधिकारी-02 से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने युवा मतदाताओं से संवाद कर उन्हें मतदान में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया और कहा कि "युवाओं के कंधे पर देश निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी है।" प्रेक्षक महोदय ने आगे रामगढ़वा पंचायत के विभिन्न केंद्रों का भी निरीक्षण किया और एएमएफ से संबंधित दिशा-निर्देश दिए। शिवनगर के सतपिपरा गांव में महिलाओं से मुलाकात कर उन्हें मतदान के प्रति जागरूक किया। उन्होंने मतदाता पर्ची वितरण की प्रक्रिया से संतुष्टि जताई।

नशाखुरानी गिरोह का शिकार बना अधेड़, कवलपुर पुल के समीप बेहोशी की हालत में मिला

बीएनएम @ तुरकौलिया

तुरकौलिया–कोटवा मुख्यपथ के कवलपुर पुल के समीप एक अधेड़ व्यक्ति बेहोशी की हालत में मिला। बताया जा रहा है कि वह नशाखुरानी गिरोह का शिकार बन गया था। उसके पॉकेट से एक आधार कार्ड बरामद हुआ, जिससे उसकी पहचान गोपालगंज जिले के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के मठिया निवासी हरेंद्र साह के रूप में हुई। घटना के वक्त उसका कपड़ा भी भीगा हुआ था, जिससे आशंका जताई जा रही है कि उसे किसी अन्य स्थान पर नशा खिलाकर बेहोश किया गया और फिर लूटपाट कर कवलपुर पुल के पास फेंक दिया गया। सुबह जब ग्रामीण खेतों की ओर जा रहे थे, तब उन्होंने सड़क किनारे गिरे व्यक्ति को देखा। उसके मुंह से झाग निकल रहा था, मगर सांसें चल रही थीं। ग्रामीणों ने तुरंत डायल-112 पर सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे तुरकौलिया सीएचसी में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद मोतिहारी सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सीएचसी के चिकित्सक डॉ. शत्रुघ्न ने बताया कि व्यक्ति को नशा दिया गया था। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, घाटों पर उमड़ा जनसैलाब

बीएनएम @ बैरिया

गंडक नदी में स्नान करते श्रद्धालु

बैरिया में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर बुधवार की असले सुबह करीब चार बजे से ही गंडक नदी के विभिन्न घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा,पिपरा,सिंगही,पुजहां,बथना और लौकरिया समेत कई घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं ने पवित्र गंडक में डुबकी लगाई।मंगलवार की शाम से ही भक्त घाटों पर जुटने लगे थे।रात भर गंगा मैया के भजन और आरती से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। बुधवार की अहले सुबह होते ही श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर गंडक मैया की पूजा-अर्चना की। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने ब्राह्मणों को भोजन कराया और दान-पुण्य किया। जिन भक्तों की मनोकामनाएं पूरी हुईं, उन्होंने शाम को कोसी भरकर विशेष पूजा की। घाटों पर पूजा सामग्री, दीपक, प्रसाद और फूल की दुकानों पर खरीदारी करने वालों की भीड़ लगी रही। भक्त ट्रैक्टर, बैलगाड़ी, ऑटो, बाइक और पैदल चलकर घाटों तक पहुंचे। महिलाओं की संख्या भी बड़ी रही। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पखनाहा बाजार से लेकर घाटों तक पुलिस बल की तैनाती रही, वहीं महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिस कर्मियों की भी तैनाती की गई थी। मंगलवार की शाम से ही संतघाट-पखनहा और पतजिरवा मुख्य मार्ग पर श्रद्धालुओं का आवागमन बढ़ने लगा था, जिससे पूरे क्षेत्र में मेले जैसा दृश्य बन गया। गंडक के घाटों पर डुबकी लगाने और पूजा-अर्चना के बाद भक्तों ने सुख, समृद्धि और शांति की कामना की।

71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा किए गए सराहनीय कार्य, भटके बच्चे को माता-पिता से मिलवाया

बीएनएम @ मोतिहारी

एफ संवाय जमुनिया के आउट पोस्ट झरोखर में ड्यूटी पर कार्यरत आरक्षी/सामान्य शैलेश कुमार निषाद द्वारा तीन मासूम बच्ची को बिना माता पिता के भटकते देख उनको रोका और वहां के पोस्ट कमांडर सहायक उप नि हरेंद्र कुमार को बताया, उसके बाद पोस्ट कमांडर द्वारा बच्चों से पूछताछ करने के दौरान तीनों में से एक बच्ची ने अपना नाम रुचि कुमारू उम्र 7 साल बताई, क्योंकि उस वक्त संवाय भ्रमण के दौरान शतीश कुमार, उप कमांडेंट बीओपी झरोखर में मौजूद थे तो तीनों बच्ची को बीओपी में लाया गया और बिशनपुर पंचायत के मुखिया मनोज जायसवाल को बुलवाया गया, फिर बच्चों से बात करने पर उसने अपने पिता का नाम गौरी शंकर साह और घर लेन कस्बा बताया। उसके बाद उनके पिता गौरी शंकर साह से बात की और उनको बुलाया गया तो वो अपने भाई राधेश्याम शाह तथा भाभी साबित देवी के साथ बीओपी झरोखर रोते हुए आए, उनका तथा उनके परिवार का रोकर बुरा हाल था, वो तकरीबन 3/4 घंटे से सारे जगह ढूंढे पर वो बच्ची मिल नहीं रही थी, बात चित करने पर पता चला कि राधेश्याम जो कस्बा टोला निवासी है। उनके पिता डंभर चौक के पास स्थित रिंभा हॉस्पिटल में एडमिट थे, उनको देखने के क्रम में बच्चे भी साथ आए थे, अचानक बच्चे बाहर निकल गए और वो सीधे इधर आए जबकि वो लोग पूरे चौक और अपने गांव में दूध रहे थे, उन्हें लगा नहीं कि अब उनका बच्चा मिलेगा। ये तो सशस्त्र सीमा बल का कृपा है उन्होंने मेरे बच्चों को रोक और जांच पड़ताल की और मुझे बुलाया, अन्यथा अगर ये बच्चे नेपाल चले जाते तो अनर्थ हो जाता, क्या पता बच्चे के साथ क्या क्या हो सकता था। इस प्रकार मुखिया मनोज जायसवाल के पहचान पर शतीश गुप्ता, उप कमांडेंट 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, विजय कुमार, सहायक कमांडेंट, संवाय प्रभारी निरीक्षक राजनंदन कुमार, बीओपी कमांडर उप नि तारा सिंह के समक्ष तीनों बच्ची को उनके माता-पिता को सुपुर्द किया गया। इस बाबत मुखिया ने भी एसएसबी को धन्यवाद दिया कि अगर बच्चे को एसएसबी द्वारा न रोका जाता, तो बच्चे तो मिलने में बहुत शकिल होती और न जाने बच्चे के साथ क्या होता। इसके साथ राधेश्याम साह उनके गौरीशंकर साह ने एसएसबी को दिल से धन्यवाद दिया और अपने बच्चे की कुशलता केलिए भी वो खुशी खुशी घर गाएं रोते और परेशान होते हुए आए और खुश होकर घर गए। इसके अलावा जमुनिया SSB के दलों ने बिहार चुनाव को देखते हुए सीमा पर गश्त, नेपाल एपीएफ के साथ बिहार पुलिस के साथ लगातार छापा, वाहन जांच, बाइक से रात्रि गश्त भी कर रही है।

निष्पक्ष, भयमुक्त और शांति पूर्ण माहौल में विधानसभा चुनाव कराने के लिए प्रशासन कटिबद्ध - डीआईजी

बीएनएम @ बगहा

विधानसभा चुनाव–2025 को लेकर चंपारण क्षेत्र के डीआईजी की समीक्षा बैठक

समीक्षा बैठक करते डीआईजी

बिहार विधानसभा चुनाव–2025 को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से बगहा पुलिस केंद्र में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता चंपारण क्षेत्र, बेतिया के उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) हरकिशोर राय ने की। इस दौरान चुनाव के मद्देनज़र कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा पुलिस अधिकारियों के समन्वय पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में डीआईजी ने बगहा के पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज, उप-मंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) बगहा कुमार देवेंद्र, रामनगर एसडीपीओ रागिनी कुमारी, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय एवं सभी थानों के प्रभारी अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि चुनावी अवधि में जिले में शांति बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना, विवाद, अफवाह फैलाने की कोशिश या आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की पहचान कर वहां अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए जाएँ। क्षेत्र में नियमित गश्ती बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखने, शराब एवं असामाजिक तत्वों पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान सोशल मीडिया की निगरानी भी कड़ी रहेगी, ताकि भ्रामक सूचनाओं को समय रहते नियंत्रित किया जा सके।बैठक में पुलिस अधीक्षक सुशांत कुमार सरोज ने बताया कि जिले में पर्याप्त सुरक्षा बल तैनात किए जा रहे हैं तथा सभी चेक पोस्टों पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस कर्मियों को किसी भी सूचना पर तत्परता से प्रतिक्रिया देने को कहा गया है।इस अवसर पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बगहा/रामनगर, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में डीआईजी ने चुनावी ड्यूटी में लापरवाही न बरतने की सख्त चेतावनी दी तथा सहयोगात्मक कार्यशैली अपनाने पर बल दिया।

जीविका दीदियों ने चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

बीएनएम @ जमुई

मतदाता को जाग्रत करती जीविका दीदियों

आगामी 11 नवम्बर को होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जमुई जिले के सभी दस प्रखंडों में जीविका दीदियों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान जोर-शोर से चलाया जा रहा है।स्वीप गतिविधियों के तहत सोनो प्रखंड के बिसनपुर ग्राम में काजल ग्राम संगठन की दीदियों ने रैली निकालते हुए "मेरा वोट, मेरा अधिकार" और "मतदान करें, देश बनाएं" जैसे नारों से गांव को गूंजा दिया।जमुई सदर प्रखंड के चौडीहा पंचायत और आमीन ग्राम में जीविका दीदियों ने घर-घर जाकर 11 नवम्बर को मतदान करने का आग्रह किया। वहीं सीता स्वयं सहायता समूह की दीदियों ने "पहले मतदान, फिर जलपान" का नारा लगाते हुए मोहल्लों में भ्रमण कर जन-जागरूकता फैलाई।इस्लामनगर अलीगंज के कैथा पंचायत एवं चकाई प्रखंड के कियाजोड़ी में प्रगतिशील संकुल संघ की ओर से रैली और शपथ ग्रहण कराया गया। इसी तरह लक्ष्मीपुर प्रखंड के दिग्घी पंचायत में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक कहा – "इस बार सभी महिलाएं मतदान करने जाएंगी।"झाझा प्रखंड के खुरंडा पंचायत में गणपति जीविका महिला ग्राम संगठन की दीदियों ने कैंडल जलाकर लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी की शपथ ली।उल्लेखनीय है कि सदर, बरहट, गिद्धौर, लक्ष्मीपुर, झाझा, सोनो, चकाई, खैरा, सिकंदरा एवं इस्लामनगर अलीगंज प्रखंडों में जीविका दीदियों द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम लगातार जारी हैं।

आईटीआई रामनगर से हायाघाट विधानसभा के लिए इभीएम और वीवीपैट का वितरण पूरा

मतदान कर्मियों को दी गई अंतिम ब्रीफिंग

बीएनएम @ दरभंगा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के तहत हायाघाट विधानसभा क्षेत्र में मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बुधवार को आईटीआई रामनगर परिसर से EVM और VVPAT मशीनों का वितरण किया गया। यहां से मतदान दलों को सभी आवश्यक सामग्रियों के साथ उनके-अपने बूथों के लिए रवाना किया गया।जिला निर्वाचन पदाधिकारी कौशल कुमार के निर्देश पर पूरी प्रक्रिया सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई। वितरण स्थल पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस पदाधिकारी और वीडियो टीम लगातार निगरानी में जुटे रहे। मशीनों को सील करने और वाहनों में लोड करने की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई ताकि पारदर्शिता बनी रहे।हायाघाट विधानसभा में कुल 286 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान दलों को अंतिम ब्रीफिंग में मशीन संचालन, मतदान प्रक्रिया और मतदाताओं की सुविधा से जुड़ी सभी जरूरी बातें विस्तार से समझाई गईं। दिव्यांग और वृद्ध मतदाताओं के लिए बूथों पर रैंप, व्हीलचेयर और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।सुरक्षा को लेकर प्रशासन पूरी तरह चौकस है। सभी बूथों पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है, जबकि संवेदनशील केंद्रों पर अतिरिक्त बल और अधिकारी निगरानी में रहेंगे।प्रशासन ने बताया कि कल सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। मतदान कर्मियों के लिए भोजन, पानी और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था भी की गई है, ताकि वे बिना किसी रुकावट के मतदान कार्य पूरा कर सकें।

वोटिंग से पहले बीजेपी को झटका, पीरपैंती के विधायक आरजेडी में शामिल

बीएनएम @ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में पहले चरण की वोटिंग से एक दिन पहले बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। भागलपुर के पीरपैंती (सुरक्षित) सीट से मौजूदा विधायक ललन पासवान ने पार्टी छोड़कर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का दामन थाम लिया है। बुधवार को उन्होंने राबड़ी देवी आवास पहुंचकर तेजस्वी यादव की मौजूदगी में आरजेडी की सदस्यता ग्रहण की।ललन पासवान पिछले कई दिनों से बीजेपी से नाराज़ चल रहे थे। पार्टी ने इस बार पीरपैंती से मुरारी पासवान को टिकट दिया, जिससे वे असंतुष्ट थे। टिकट कटने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। आरजेडी में शामिल होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, "तेजस्वी मय बिहार बनाना है, हम सबने मिलकर ठाना है। तेजस्वी ही वर्तमान हैं, तेजस्वी ही भविष्य।"बीजेपी से इस्तीफा देते समय उन्होंने पत्र में कहा था कि "अब लगता है कि भाजपा को मुखर दलित नेतृत्व की ज़रूरत नहीं है।"तेजस्वी यादव ने ललन पासवान के शामिल होने पर कहा कि "आरजेडी में एक ज़मीनी और जनप्रिय नेता का स्वागत है। हमारा लक्ष्य सामाजिक न्याय और विकास के साथ सबको साथ लेकर चलना है।"ललन पासवान ने कहा कि अब वे बाबा साहेब आंबेडकर के सिद्धांतों पर चलकर जनता की सेवा करेंगे। वे बीजेपी के पुराने और सक्रिय नेताओं में से एक रहे हैं। अब उनका आरजेडी में शामिल होना बिहार की सियासत में एक नया मोड़ माना जा रहा है।इधर मुंगेर में भी सियासी हलचल देखने को मिली है, जहां जन सुराज के एक प्रत्याशी ने मतदान से पहले ही बीजेपी उम्मीदवार के समर्थन का ऐलान कर दिया। इन दोनों घटनाओं ने पहले चरण की वोटिंग से पहले सियासी तापमान और बढ़ा दिया है।

संपादकीय

प्रार्थना की शक्ति का महत्व

मनुष्य का जीवन उसकी शारीरिक एवं प्राणिक सत्ता में नहीं, अपितु उसकी मानसिक एवं आध्यात्मिक सत्ता में भी आकांक्षाओं तथा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए और कामनाओं का है। जब उसे ज्ञान होता है कि एक महत्तर शक्ति संसार को संचालित कर रही है, तब वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए, अपनी विषम यात्रा में सहायता के लिए, अपने संघर्ष में रक्षा के लिए आय प्राप्त करने के लिए प्रार्थना द्वारा उसकी शरण लेता है। प्रार्थना द्वारा भगवान की ओर साधारण धार्मिक पहुंच, अपने को ईश्वर की ओर मोड़ देने के लिए यह हमारी प्रार्थनारूपी विधि हमारी धार्मिक सत्ता का मौलिक प्रयत्न है, और एक सार्वभौम सत्य पर स्थित है- भले ही इसमें कितनी भी अपूर्णताएं हों और सचमुच अपूर्णताएं हैं भी। प्रार्थना के प्रभाव को प्राय? संदेह की दृष्टि से देखा जाता है और स्वयं प्रार्थना निरर्थक तथा निष्फल समझी जाती है। वैश्व संकल्प सदैव अपने लक्ष्य को ही कार्यान्वित करता है। वह सर्वज्ञ होने के कारण अपने वृहत्तर ज्ञान से कर्तव्य पहले ही जान लेता है, परंतु यह व्यवस्था यांत्रिक नियम से नहीं, बल्कि कुछ शक्तियों एवं बलों के द्वारा कार्यान्वित होती है। यह मानव संकल्प, अभीप्सा और श्रद्धा का एक विशेष रूप मात्र है। प्रारंभ में प्रार्थना निम्न स्तर भी हमारे सबंध को तैयार करने में सहायता पहुंचाती है। मुख्य वस्तु इस प्रकार का साक्षात संबंध, मनुष्य का ईश्वर से संपर्क, सचेतक आदान-प्रदान न कि पार्थिव वस्तु की प्राप्ति। अपनी मानसिक रचना के निर्माण के बाद यदि व्यक्ति अपने को ईश कृपा पर समर्पित कर देता है, और इसमें भरोसा रखता है, तो उसको अवश्य ही सफलता मिलेगी। यदि कोई ईश्वर की कृपा का मात्र आह्वान करता है, तो अपने को उसके हाथों में सौंप देता है, तो वह विशेष अपेक्षा नहीं करता।

प्रार्थना को सूत्रबद्ध करके किसी वस्तु के लिए निवेदन करना होगा। व्यक्ति को यह सवाल नहीं करना चाहिए। यदि सचाई के साथ सच्ची आंतरिक भावना के साथ याचना की जाए तो संभव है- वह स्वीकृत हो जाए।

मोकामा:गैंगस्टर बनाम गैंगस्टर की लड़ाई

कुमार कृष्णन

नरेंद्र मोदी बिहार में लालू-राबड़ी के जंगल राज की यादें ताजा करते हुए घूम रहे हैं, वहीं मोकामा में एनडीए के बैनरों पर उनकी तस्वीर एक अप्रत्याशित साथी के साथ दिखाई दे रही है।प्रधानमंत्री के चेहरे पर काले चश्मे के पीछे छिपा सख्त, मूंछों वाला चेहरा डॉन से राजनेता बने अनंत सिंह का है। वे पटना से 90 किलोमीटर पूर्व में स्थित उस निर्वाचन क्षेत्र से जनता दल यूनाइटेड के उम्मीदवार हैं, जहाँ हाल ही में एक प्रमुख प्रचारक और पूर्व गैंगस्टर की दुलारचंद यादव की नृशंस हत्या हुई है। काफी हो हंगामे के बाद अनंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। कारण महागठबंधन की ओर से बिहार में चुनाव प्रचार के दौरान प्रियंका गांधी, तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग के साथ साथ सत्तारूढ़ दल को निशाने पर लिया। चुनाव आयोग और उसके निर्देश को अमल लानेवाले तंत्र पर सवाल उठना जरुरी है। कारण जब चुनाव के पूर्व प्रशासन लाइसेंसी हथियार जमा करवा देता है तो पचास गाड़ियों के काफिले के साथ हथियार लेकर चुनाव में कैसे घूम रहे थे।चार बार विधायक रहे अनंत सिंह का आपराधिक रिकॉर्ड लंबा है, जिसमें हत्या, जबरन वसूली और आगजनी के आरोप शामिल हैं।

बिहार विधानसभा 2025 चुनाव से ठीक पहले मोकामा और अन्य क्षेत्रों में उठे कानून-व्यवस्था के मुद्दों पर किरकिरी के बाद राज्य के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने स्पष्ट रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि जो भी अपराध या उपद्रवी गतिविधियां होंगी, उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की ढील नहीं बरती जाएगी।मोकामा हत्याकांड और अन्य मामलों में दर्ज विभिन्न कांडों के आधार पर अब तक 80 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। शनिवार को इनमें जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस की छापामारी और गिरफ्तारियां जारी रहेंगी। विनय कुमार ने कहा, जो घटना की प्रथम दृष्टया जानकारी मिली, उसी आधार पर यह गिरफ्तारी की गई है। चुनाव आयोग की तरफ से भी पूरी पैनी नजर रखी जा रही है। जो अधिकारी लापरवाह पाए गए हैं, उनके खिलाफ निलंबन और स्थानांतरण की कार्रवाई की गई है। चुनाव आयोग, राज्य सरकार और बिहार पुलिस किसी भी उपद्रवी तत्व को बख्शने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने कहा, जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। जो भी कानून को हाथ में लेंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। युवा भावावेश में आकर इस तरह की गतिविधियों में शामिल न हों, वरना उनका भविष्य बर्बाद हो सकता है। विनय कुमार ने जनता से अपील करते हुए कहा कि सभी शांतिपूर्ण और बुद्धि-विवेक के साथ मतदान करें। किसी भी तरह का हस्तक्षेप कानून के दायरे में आएगा और कार्रवाई की जाएगी। पिछले साल अगस्त में ही उन्हें चुनाव लड़ने की पात्रता मिली, जब पटना उच्च न्यायालय ने शस्त्र अधिनियम के तहत उनकी दोषसिद्धि को रद्द कर दिया। दो वर्ष या उससे अधिक की जेल की सजा पाए अपराधी को अपनी सजा पूरी करने के बाद अगले छह वर्षों तक चुनाव लड़ने से रोक दिया जाता है। चार बार विधायक रहे अनंत का आपराधिक रिकॉर्ड लंबा है, जिसमें हत्या, जबरन वसूली और आगजनी के आरोप शामिल हैं। पिछले साल अगस्त में ही उन्हें चुनाव लड़ने की पात्रता मिली, जब पटना उच्च न्यायालय ने शस्त्र अधिनियम के तहत उनकी दोषसिद्धि को रद्द कर दिया। मोकामा में गैंगस्टर-राजनेता के चुनाव कार्यालय के प्रवेश द्वार पर जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों वाला एक अस्थायी गेट लगाया गया है।। मोकामा में गैंगस्टर-राजनेता के चुनाव कार्यालय के प्रवेश द्वार पर शनिवार को जदयू उम्मीदवार अनंत सिंह, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों वाला एक अस्थायी गेट लगाया गया है। मोकामा में अनंत के प्रचार कार्यालय में बैठे कन्हैया कुमार ने कहा, आप जैसे लोगों के लिए वह एक गैंगस्टर हो सकता है, लेकिन हमारे लिए वह हमारा रक्षक है। उन्होंने कहा, ''सूरजभान और उसके गिरोह द्वारा वर्षों तक फैलाई गई हिंसा के बाद उन्होंने यहां शांति सुनिश्चित की।'' कुमार ने बताया कि 2000 के दशक के प्रारंभ में उन्होंने गिरोह हिंसा में अपने परिवार के तीन सदस्यों को खो दिया था। राजनीति और गैंगलैंड अर्थव्यवस्था दोनों में अनंत के लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी सूरजभान सिंह एक और डॉन से राजनेता बने हैं।हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए पूर्व विधायक ने अब अपनी पत्नी वीणा देवी के लिए राजद का टिकट हासिल कर लिया है, जो अनंत के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं, जिससे मोकामा में मुकाबला एक उच्च-दांव वाली गैंगस्टर बनाम गैंगस्टर लड़ाई में बदल गया है। अनंत और सूरजभान दोनों ही प्रभावशाली भूमिहार जाति से हैं और पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने पार्टी में नामांकन और संरक्षण प्राप्त करने के लिए राजनीतिक निष्ठाएं बदली हैं।अनंत ने 2005 और 2010 में जदयू उम्मीदवार के रूप में, 2015 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में और 2020 में राजद उम्मीदवार के रूप में मोकामा सीट जीती थी, लेकिन बाद में उन्हें दोषी ठहराए जाने के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया। उनकी पत्नी नीलम देवी ने राजद के टिकट पर उपचुनाव जीता। विडंबना यह है कि अनंत अब राजद के प्रतिद्वंद्वी जदयू का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सूरजभान ने 2000 में निर्दलीय के रूप में सीट जीती और बाद में लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर बलिया से सांसद बने।मोकामा का औद्योगिक क्षेत्र, जो बरौनी रिफाइनरी, बरौनी थर्मल पावर स्टेशन, ग्रेफाइट इंडिया और अब बंद हो चुकी भारत वैगन एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड जैसी फैक्ट्रियों से भरा हुआ है, लंबे समय से इस क्षेत्र के राजनीतिक-आपराधिक गठजोड़ का आर्थिक आधार रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि ये गिरोह 1990 के दशक और 2000 के दशक के आरंभ में, प्रसिद्ध लालू-राबड़ी "जंगल राज" के दौरान, अपहरण और जबरन वसूली करते हुए आकर्षक सरकारी और औद्योगिक ठेकों के लिए प्रतिस्पर्धा करते थे। मोकामा रेलवे स्टेशन के पास चाय की दुकान चलाने वाले सुशील कुशवाहा ने कहा, हाल के वर्षों में गैंगवार में कमी आई है।कई विकास परियोजनाएं आने से दोनों पक्षों को ठेका मिल रहे हैं - अब झगड़ा कम हो गया है। यह असहज शांति गुरुवार को तब भंग हो गई जब मोकामा में इस चुनावी मौसम में पहली हाई-प्रोफाइल राजनीतिक हत्या दर्ज की गई। 75 वर्षीय दुलार चंद यादव, जो डॉन से सामाजिक कार्यकर्ता बने थे और जिन्होंने 1990 के दशक में राजद के संरक्षण में इस क्षेत्र को आतंकित किया था, की उस समय हत्या कर दी गई जब वे प्रशांत किशोर की नई पार्टी जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार प्रियदर्शी पीयूष के लिए वोट मांग रहे थे।एफआईआर के अनुसार, यादव के पैर में गोली मारी गई और फिर थार के पहिये के नीचे कुचलकर उसकी हत्या कर दी गई। एफआईआर में अनंत और उसके साथियों पर हत्या का आरोप लगाया गया है। अनंत के गुर्गों ने पीयूष के खिलाफ जवाबी एफआईआर दर्ज कराई है, जो अब छिप गया है। हालांकि, पत्रकारों से बात करते हुए अनंत ने सूरजभान पर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस के मुताबिक, यादव के काफिले की मुलाक़ात अनंत के काफिले से ताल इलाके में हुई – जो मोकामा की पहचान है। इसके तुरंत बाद गोलीबारी शुरू हो गई। अनंत ने पत्रकारों से कहा, मैं अपना अभियान चला रहा था जब सूरजभान के आदमियों ने मेरे पीछे वाली गाड़ियों पर हमला किया। मेरा इस हत्या से कोई लेना-देना नहीं है। यह अपराध सूरजभान के इशारे पर किया गया था। शुक्रवार को फिर से हिंसा भड़क उठी, यादव के अंतिम संस्कार के दौरान गोलीबारी हुई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कुछ लोग चिल्लाते हुए दिख रहे हैं कि अनंत सिंह के लोगों ने गोलियां चलाईं। किसी की मौत तो नहीं हुई, लेकिन मतदान से एक हफ़्ते से भी कम समय पहले मतदाताओं में डर का माहौल है।चुनाव आयोग ने शनिवार को यादव की हत्या के मामले में एक पुलिस अधिकारी को निलंबित कर दिया और एक रिटर्निंग ऑफिसर तथा एक अन्य पुलिसकर्मी का तबादला कर दिया। उप-मंडल पुलिस अधिकारी (बाढ़ 2) अभिषेक सिंह को निलंबित कर दिया गया है, जबकि मोकामा के रिटर्निंग ऑफिसर चंदन कुमार और एसडीपीओ (बाढ़ 1) राकेश कुमार का तबादला कर दिया गया है। चुनाव आयोग ने राज्य सरकार से पटना ग्रामीण के एसपी विक्रम सिहाग की जगह लेने वाले अधिकारियों की सूची भी मांगी है। इससे पहले, जिले के तीन कनिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी चुनाव संबंधी झड़पों को रोकने में विफल रहने के कारण निलंबित कर दिया गया था। बिहार के चुनाव अभियान में तमाम पवित्र बयानबाजी के बावजूद - जैसे कि नौकरियों, विकास और शांति के वादे - मोकामा एक पुरानी पटकथा में फंसा हुआ है, जहां अभी भी बाहुबल ही मतपत्र को निर्धारित करता है।भाजपा की चुनावी मशीनरी अतीत, वर्तमान या भविष्य की सभी हिंसाओं के लिए राजद को दोषी ठहराती है।

माया मरी न मन मरा, मर मर गये शरीर। आशा तृष्ना ना मरी, कह गये दास कबीर?
- कबीर

थोड़े दिन रहने वाली विपत्ति अच्छी है क्योंकि उसी से मित्र और शत्रु की पहचान होती है।
- रहीम

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, मार्ग शीर्ष कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथि प्रतिपदा, गुरुवार, भरणी नक्षत्रे, व्यय योगे, कौलव करणे, मार्ग शीर्ष, कृष्ण पक्ष, शरद ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय, पूर्वे तिथि, वृष की चंद्रमा, धान्य छेदन मुहूर्त कार्तिक व्रत परायण वक्री बुध 21/46 तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनी-मानी, शिक्षक-शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री, उत्तम वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, लोभी कृषक साधन वाला होगा।

मेष राशि :- थकावट, लेन-देन के मामले में हानि होगी तथा स्त्री-शरीर कष्ट अवश्य होगा।

वृष राशि :- मन में कुछ खिन्नता, नवीन योजना फलप्रद होगी तथा स्त्री-वर्ग से हर्ष होगा।

मिथुन राशि :- कार्ययोजना फलीभूत हो, सफलता के साधन जुटायें, रुके कार्य अपके अनुकूल बनेंगे।

कर्क राशि :- योजना फलीभूत होंगी, प्रयास करने पर सफलता मिलेगी, समय अनुकूलता का ध्यान रखें।

सिंह राशि :- कार्य कुशलता से संतोष, प्रभुत्व वृद्धि, विशेष लाभ के योग अवश्य ही बनेंगे।

कन्या राशि :- चिन्तायें मन को व्यग्र रखें, भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य अवश्य बनेंगे।

तुला राशि :- अधिकारियों से तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक उद्विघ्नता अवश्य ही बनेगी।

वृश्चिक राशि :- दैनिक कार्यगति मंद, स्थिति में सुधार, कार्य नियंत्रण करने में सफल होंगे।

धनु राशि :- समय की अनुकूलता से लाभांवित हों तथा सतर्कता से कार्य अवश्य निपटा लें।

मकर राशि :- हाथ में आया हुआ धन व्यर्थ नष्ट जायेगा, कार्यकुशलता से संतोष निश्चय ही होगा।

कुंभ राशि :- कार्य में विलम्ब से बेचैनी संभव है, भाग्य साथ देगा, बिगड़े कार्य बनेंगे ध्यान दें।

मीन राशि :- अनायास परेशानी, शत्रु पक्ष से सतर्क रहें, मान-प्रतिष्ठा पर आंच आने की संभावना है।

आंध्रप्रदेश के व्यंकटेशवर मंदिर में भगदड मचने से श्रद्धालुओं की मौत

कांतिलाल मांडोत

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। कासीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भगदड़ मचने से कम से कम 12 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। हादसा उस समय हुआ जब एकादशी की मौके पर हजारों श्रद्धालु मंदिर पहुंचे थे।हिन्दू पर्व पर दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ घटना होती है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौते होती है।यह पहली और आखिरी घटना नही है।हिन्दुओ के त्योहार पर मंदिर में भगदड़ मचने की घटना एक इतेफाक समझकर विस्मृत की जाती है।लेकिन ऐसी घटनाओं का जख्म दशकों तक नही भुलाया जा सकता। आंध्रप्रदेश के राज्य सरकार के मंत्री आनम रमणारायण जवाबदारी से मुंह मोड़ते नजर आए।उन्होंने कहा कि यह मंदिर निजी स्वामित्व वाला है और सरकार के एंडोमेंट्स विभाग के अधीन नहीं आता। उन्होंने बताया कि मंदिर की क्षमता बहुत सीमित थी, लेकिन करीब 25 हजार श्रद्धालु एक साथ पहुंच गए। मंदिर प्रशासन ने न तो कोई विशेष व्यवस्था की और न ही सरकार को सूचना दी। गृह मंत्री अनिता ने कहा कि इस बार एकादशी और कार्तिक मास का शनिवार होने से भीड़ सामान्य से कहीं ज्यादा थी।इस तरह के जवाब तथा सरकार अपनी जवाबदेही से मुंह मोड़ती नजर आ रही है। दरअसल, ऐसी घटनाओं पर राज्य और जिला प्रशासन ने हाथ खड़े कर दिए है।ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी है। 2024 में हाथरस में हुई भगदड़ सबसे घातक थी, इसमे 121 श्रद्धालुओ की मौत हो गई।तिरुपति मंदिर उत्सव के दौरान छह लोगों की मौत हो गई।मुम्बई में बांद्रा टर्मिनल रेलवे स्टेशन में भगदड़ में करीब नौ लोगो की मौत हो गई। हरिद्वार मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई 2025 को भयंकर भीड़ जमा होने के बाद भगदड़ मची, जिसमें 6 लोगों की मौत हुई और कई लोग घायल हो गए। किसी ने करंट फैलने की अफवाह फैलाई थी, जिसके चलते ये हादसा हुआ। गोवा के शिरगांव गांव में श्री लाईराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान अचानक भगदड़ मच गई, इस हादसे में छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई और करीब 100 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान देर रात धक्का मुक्की शुरू हुई और भगदड़ मच गई. इस दौरान नीचे सोए लोगों को भीड़ ने कुचल दियाआधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक इस हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई और 60 घायल हो गए। इंदौर के एक मंदिर में रामनवमी के मौके पर एक हवन का आयोजन किया गया था, इस दौरान भारी भीड़ जुटी थी और एक प्राचीन बावड़ी (कुएं) के ऊपर बना स्लैब नीचे गिर गया। इस हादसे में करीब 36 लोगों की मौत हो गई।आंध्र प्रदेश के राजामंड्री शहर में गोदावरी नदी के किनारे पुष्करम उत्सव के दौरान भारी भीड़ जुट गई और भगदड़ में 27 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में नैना देवी मंदिर में भी एक अफवाह फैली, जिसने 162 लोगों की जान ले ली।कुछ लोगों ने अचानक चट्टान खिसकने की अफवाह फैला दी, जिससे भगदड़ मच गई। 25 जनवरी,2005 में महाराष्ट्र के सतारा में मंधारदेवी मंदिर में नारियल फोड़ने के चक्कर में लोग सीढियों से फिसलने लगे, जिसके चलते भगदड़ मच गई और 340 लोगों की मौत हो गई। हरिद्वार में गंगा नदी में स्नान के दौरान प्रसिद्ध हर-की-पौड़ी घाट पर अचानक भगदड़ हुई और इसमें 20 लोगों की मौत हो गई. 14 जनवरी, 2011 में केरल के इडुक्की जिले में कई तीर्थयात्री जुटे थे। तभी अचानक एक कार भीड़ में घुस गई, जिसके चलते भगदड़ मची और सबरीमाला के 104 भक्तों की मौत हो गई। पिछले सालों में कई मंदिरों में हुई आंध्र प्रदेश जैसी भगदड़ से लोगो की मौत और घायल भी हुए है। जब किसी धार्मिक आयोजन या स्थल पर हजारों लोग एक साथ जुटे थे और भगदड़ होने के चलते कई लोगों की जान चली गई. जब भीड़ बहुत अधिक होती है, तो शारीरिक बल एक अप्रत्याशित श्रृंखला बना लेते हैं। यदि कोई व्यक्ति गिर जाता है, तो उसके आसपास एक शून्य उत्पन्न होता है। इसके कारण अन्य लोग संतुलन खोकर गिर जाते हैं, जिससे भगदड़ और हताहतों की स्थिति बढ़ जाती है। कतारों में बैरियर और रेलिंग लगाना, आभासी कतार और अनुमानित प्रतीक्षा समय की व्यवस्था करना, बाहर की ओर खुलने वाले चौड़े निकासों के साथ सुरक्षित प्रवेश और निकास बिंदु सुनिश्चित करना तथा भीड़ को प्रबंधित करने के लिये प्रभावी संचार प्रणाली और मोबाइल कनेक्टिविटी बनाए रखना।

गढ़मुकतेश्वर में हुई थी शिव के गणों और महाभारत के हुतात्माओ की मुक्ति!

मनोज कुमार अग्रवाल

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर लगने वाला मेला न सिर्फ पौराणिक महत्व है बल्कि सनातन संस्कृति के लिए यह मेला और यहां का पवित्र गंगा स्नान देश और दुनिया के पर्यटन के लिए भी महत्वपूर्ण स्थान बना है।आज इस मेले का स्वरूप मिनीकुम्भ बन चुका है दस किलोमीटर क्षेत्रफल से अधिक में फैला यह मेला देश दुनिया के आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। जिले के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि कार्तिक गंगा मेला केवल स्नान करने तक ही सीमित नहीं है। कार्तिक पूर्णिमा मेला एकता, भाईचारे, सांस्कृतिक विरासत और एकता का प्रतीक है। यहां से देश के विकास को नई दिशा मिलती है। प्रदेश के मानचित्र पर आने के बाद मेला विभिन्न क्षेत्रों में अपनी साख बढ़ा रहा है। अब मेले से प्रदेश को विकास और स्वदेशी का मूल-मंत्र मिल रहा है।

दिल्ली से 100 किमी दूर और राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 24 से लगे, गंगा के निचले तट पर स्थित गढ़ मुक्तेश्वर में कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाला नदी गंगा स्नान और यह मेला यहां अनादिकाल से आ रहा है। जबकि, महाभारत युद्ध के बाद इस स्थान का महत्व और भी अधिक बढ़ गया।

कार्तिक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाले इस पवित्र और प्रसिद्ध स्नान पर्व और यहां लगने वाले मेले का अतीत पांडवों और भगवान श्रीकृष्ण से भी जुड़ा है बताया जाता है कि महाभारत युद्ध के बाद गढ़ मुक्तेश्वर के गंगा तट पर भगवान श्रीकृष्ण के निर्देश पर सम्राट युधिष्ठिर ने कौरवों और पांडवों की सेना के विशाल वीर योद्धाओं और सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए उनका तर्पण किया था। एक ओर पौराणिक साक्ष्य और तथ्य गढ़ मुक्तेश्वर के एतिहासिक सांस्कृतिक अध्यात्मिक महत्व को बयान करते हैं, वहीं आज के इतिहासकार और विद्वान भी मानते हैं कि यह स्थान द्वापर युग में भी सबसे पहले प्रसिद्ध हुआ था। क्योंकि शिवपुराण के आज के अनुसार इस गढ़मुक्तेश्वर का प्राचीन नाम शिववल्लभ हुआ, अर्थात जो भगवान शिव का ही एक प्रिय नाम है।

पुराणों में समान गढ़ मुक्तेश्वर की महिमा काशी के बारे में बताया गया है, क्योंकि गढ़ मुक्तेश्वर में ही भगवान शिव ने अपनी जय और विजय नाम के गणों को महर्षि दुर्वासा के द्वारा पिशाच योनि के श्राप से मुक्ति दिलाई थी। जिसके बाद इस स्थान का नाम गणमुक्तिश्वर यानि कि गणों की मुक्ति करने वाले भगवान शिव के नाम से पड़ा था। गणमुक्तिश्वर का वह प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर आज भी उस पौराणिक घटना का साक्षी है। लेकिन, समय के साथ-साथ आम बोलचाल की भाषा के उच्चारण के कारण यह नाम गणमुक्तेश्वर से बदल कर गढ़ मुक्तेश्वर कहलाने लगा है। त्रेता युग में भी गढ़मुकतेश्वर की महिमा का वर्णन है शिव पुराण के अनुसार इसी गढ़ मुक्तेश्वर के क्षेत्र में गंगा नदी के किनारे ही एक घना वन था, जिसे खाण्डवी वन के नाम से जाना जाता था। इसी खांडवी वन में भगवान परशुराम ने एक ऐसे ही शिवलिंग की स्थापना की थी, जो बाद में वर्ष संप्रदाय का प्रमुख केंद्र बना और उसी शिव मंदिर के आस-पास के क्षेत्र का नाम बाद में शिव वल्लभ पुर पड़ गया। महाभारत काल की बात करें तो त्रेता युग का यही खांडववन, द्वापर युग में यानि महाभारत के काल में खांडव वन के नाम से अस्तित्व में आया और यही खांडव वन बाद में खांडवप्रस्थ कहलाया और उसके बाद इंद्रप्रथ बना। यही खाण्डव वन हस्तिनापुर राज्य के अधीन था इसलिए पांडवों ने खांडव वन में अपना नया राज्य स्थापित किया था।सम्राट् युधिष्ठिर के निर्णय के बाद भगवान परशुराम द्वारा स्थापित शिववर्षपुर यानी गढ़ मुक्तेश्वर के मुक्तेश्वर महादेव मंदिर में पूजा और यज्ञ आदि करके मृतकों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया गया था। सम्राट् युधिष्ठिर ने जो निर्णय लिया उसके बाद जो तीर्थयात्रा निकली वह कार्तिक शुक्ल अष्टमी का ही दिन था। इसी दिन गौ पूजन करके गढ़ मुक्तेश्वर के समान गंगा तट पर गंगा मैदान में सम्राट युधिष्ठिर द्वारा धार्मिक संस्कार करके पिंडदान किया गया। यह देवोत्थान एकादशी है जिसे हम देवोत्थान एकादशी के नाम से भी जानते हैं। महाभारत युद्ध में मारे गए लोगों की आत्मा की शांति के लिए ब्रह्माण्ड से चतुर्दशी तक यहां यज्ञ किया था, और इसके अगले दिन अर्थात पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करके कथा का आयोजन किया गया था। अब अगर हम यहां गढ़ मुक्तेश्वर में स्थित गंगा झील के इतिहास की बात करें तो इतिहासकारों ने इस झील को ज्यादा पुराना नहीं माना है। लेकिन, फिर भी इसके बारे में बताया गया है कि, उस दौर में अखंड भारत के लाखों श्रद्धालु इस विशेष दिन पर गंगा स्नान के लिए आते थे, इसलिए यहां अच्छी-खासी धार्मिक अध्यात्मिक चहल-पहल होती थी, इसलिए उन शिष्यों की सुविधा के अनुसार यहां विशेष अवशेष भी सजने और धीरे-धीरे यह एक प्रकार से वार्षिक पत्रिका के रूप में आयोजित होता था। तब से लेकर आज तक यह आयोजन कार्तिक पूर्णिमा के गंगा मेले के रूप में जाना जाता है और अब तो यह उत्तर भारत में आयोजित होने वाले सबसे बड़े मेलों में से एक बन गया है। गढ़ मुक्तेश्वर कार्तिक पूर्णिमा के स्नान के लिए हजारों वर्षों से अखंड भारत के रिश्ते जुड़े हुए हैं और आज भी पूरे भारत और विदेशों से आप्रवासी भारतीय भी स्नान के लिए आते हैं। मेला आयोजन के लिए सरकार से स्थानीय प्रशासन को भी अच्छी आर्थिक मदद दी जाने लगी। उस आय से आश्रमों के लिए यहां कई प्रकार के भवनों का भी विस्तार किया गया, कई भव्य मंदिरों और तीर्थस्थलों के अलावा आश्रमों का नवीनीकरण किया जा रहा है। लेकिन, विदेशी आक्रमणों के दौर में यहां कई बार भीषण रक्तपात और गोलीबारी की घटनाएं हुईं, कई तरह के षड्यंत्र और तांडव भी चले और कई बार यहां की मूर्तियां भी लूटी गईं। आज भले ही यहां से गंगा नदी के व्यापार मार्ग के लिए प्रयोग में नहीं लाया गया। लेकिन, यहां से बहने वाली पवित्र गंगा नदी महाभारत काल में व्यापार के लिए एक प्रमुख जलमार्ग का केंद्र हुआ करती थी। इसके अलावा यह स्थान हस्तिनापुर की राजधानी था इसलिए भी उस दौर में इस जलमार्ग का महत्वपूर्ण विकास हुआ था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की है कि इस साल ऐतिहासिक गढ़मुक्तेश्वर मेले को मिनी-कुंभ के रूप में आयोजित किया जाएगा। यह मेला उत्तर प्रदेश की गहरी आस्था, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत का जीता-जागता प्रतीक है। यह मेला 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलेगा। राज्य सरकार का लक्ष्य इसे पूरी श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता के साथ आयोजित करना है, ताकि हर श्रद्धालु शांति और दिव्य आशीर्वाद लेकर लौटे। इस मेले में करीब 50 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

तेल का खेल : सरकार और कॉरपोरेट बने मुनाफाखोर

सनत जैन

भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर जारी बहस एक बार फिर तेज हो गई है। जब विश्व बाजार में कच्चे तेल की कीमत कई महीनों से अपेक्षाकृत स्थिर और सबसे कम है। तब उपभोक्ता सवाल पूछ रहे हैं, आखिर भारत में पेट्रोल 100 रुपए से ऊपर क्यों बिक रहा है। पड़ोसी देश भूटान में भारत से रिफाइंड पेट्रोल और डीजल जा रहा है। वहां पर यही ईंधन लगभग 75 रूपये प्रति लीटर में उपलब्ध है? भारत से वहां पर जाकर डीजल और पेट्रोल अपनी गाड़ियों में भरवाते हैं। यह अंतर भारत सरकार की मुनाफाखोर नीति का नतीजा है। भारत में पेट्रोल-डीजल पर सबसे अधिक टैक्स लगाए जाते हैं। रिफाइनरी से निकले ईंधन का बेस प्राइस 30 रुपये के आस-पास होता है। जब यह उपभोक्ता तक पहुँचता है, तो उसके मूल्य में एक्साइज ड्यूटी, वैट, सेस, मार्केटिंग, डीलर मार्जिन और कई तरह के टैक्स शामिल होकर इसकी कीमत तीन गुना से अधिक हो जाती है। यही नहीं, सरकारी तेल कंपनियाँ भी भारी मुनाफा कमा रही हैं। जिसके कारण निजी पेट्रोलियम कंपनी भी भारी मुनाफा कमाती है। सरकार पेट्रोलियम कंपनियों पर कोई नियंत्रण लागू नहीं करती है। कंपनियों के मुनाफे पर सरकार टैक्स व डिविडेंड के रूप में अप्रत्यक्ष रूप से हजारों करोड़ों रुपए की अतिरिक्त कमाई करती है। सवाल यह नहीं है, सरकार को टैक्स नहीं लेना चाहिए, बल्कि सवाल यह है, सरकार को टैक्स का बोझ किस हद तक जनता पर डालना

वाजिब है? जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें घटती हैं, तो उसका लाभ उपभोक्ताओं तक क्यों नहीं दिया जाता है? जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है उस समय उपभोक्ताओं के लिए कीमतों को बढ़ा दिया जाता है। बढ़ी हुई कीमत कम नहीं की जाती है। कोरोना महामारी के दौरान और उसके बाद भी भारत ने ईंधन कीमतों में अंतरराष्ट्रीय बाजार भाव के अनुसार वह लचीलापन नहीं दिखाया जो भारत सरकार की नीति में शामिल था। भारत सरकार ने जब सब्सिडी पेट्रोल और डीजल से खत्म की थी, उस समय नीति में कहा गया था अंतरराष्ट्रीय बाजार भाव के हिसाब से पेट्रोलियम कंपनियां अपने उत्पाद के रेट घटाएंगी और बढ़ाएंगी। भूटान का उदाहरण भारतीय उपभोक्ताओं की पीड़ा को उजागर करता है। भारत से रिफाइन होकर गया पेट्रोल-डीजल वहां पर टैक्स और परिवहन के बाद भी कम कीमत पर बिकता है। भारत सरकार की टैक्स नीति अलग है, भूटान सरकार की टैक्स नीति अलग है। भूटान की सरकार अपने नागरिकों से उतना ही टैक्स वसूल करती है जो वह आसानी से वहन कर सकें। वहीं भारत सरकार पेट्रोल और डीजल उत्पादन पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से भारी टैक्स लगाकर अपने खजाने को भरने तथा पेट्रोलियम कंपनियां और राजनेताओं को भारी कमाई कराने की नीति मानी जा रही है। भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्री कहते हैं, पेट्रोलियम की कमाई से देश में विकास हो रहा है। विकास के नाम पर कितना भ्रष्टाचार हो रहा है, यह किसी से छिपा नहीं है।

यह सवाल फिर भी उठता है, यदि भारत में उत्पादन, रिफाइनिंग और सप्लाई का आधार मजबूत है, इसके बाद भी भारतीय उपभोक्ताओं को राहत क्यों नहीं मिल रही है। तेल का यह खेल सरकार और कॉरपोरेट दोनों विशाल कमाई करते हैं। पेट्रोलियम कंपनियों का खरीद से लेकर बिक्री के बीच में भारी कमीशन है। विदेश में कच्चे तेल की खरीदी में बड़ी कमाई की जाती है। परिवहन और रिफाइन में भी बड़े-बड़े खेल होते हैं। लाखों करोड़ रुपए की कमाई विकास के नाम पर की जा रही है। विकास कार्यों में किस तरह का भ्रष्टाचार है, यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। आम नागरिक महंगाई के बोझ तले दबता चला जा रहा है। आम नागरिक अपनी मौलिक और बुनियादी आवश्यकताओं को भी पूरा नहीं कर पा रहा है। पेट्रोलियम पर लगाए गए टैक्स का असर हर चीज पर पड रहा है। इसके बाद भी सरकार डीजल और पेट्रोल की कीमतें नहीं घटा रही है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 आज

दोपहर 1:45 बजे से शुरू होगा मैच

एजेंसी, गोल्ड कोस्ट

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथा टी20 मैच गुरुवार को यहां खेला जाएगा। अभी तक दोनो ही टीमें 1-1 से सीरीज में बराबरी पर हैं। ऐसे में ये मैच दोनो ही टीमों के लिए बेहद अहम रहेगा। इसमें विजेता टीम को सीरीज में बढ़त मिल जाएगी। सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था जबकि दूसरा मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने जीता था। वहीं तीसरा मैच भारतीय टीम ने जीता है। इस मैच में सलामी बल्लेबाजी शुभमन गिल पर सभी की नजरें रहेंगी। शुभमन अभी तक इस सीरीज में एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। इस मैच में भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है क्योंकि एशेज सीरीज की तैयारी के लिए कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी इससे बाहर हैं। पिछले मैच में जोश हेजलवुड के नहीं होने से मेजबान टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई थी। इस मैच में सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड भी नहीं रहेंगे। वह एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेल रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम में कई बड़े खिलाड़ियों के नहीं होने से भारतीय टीम के पास इस मैच को जीतकर सीरीज में ढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा अवसर है। वहीं भारतीय टीम की चिन्ता शुभमन का फार्म है। वह ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये हैं। एकदिवसीय सीरीज में भी वह असफल रहे। वहीं टी20 सीरीज के दोनो ही मैचों में वह रन नहीं बना पाये। शुभमन को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि शुभमन अभी तक अपनी परंपरागत अंदाज में नहीं दिखे हैं। भारतीय टीम का सकारात्मक पक्ष ये है कि सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अभी अच्छे फार्म में हैं। टीम को उनसे एक बार फिर आक्रामक पारी की उम्मीद होगी। शुभमन को इस सीरीज के बाद दक्षिण अफ्रीका ने खेलना है जिसको देखते हुए उन्हें लय हासिल करने के लिए रन बनाने होंगे।

वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहले और तीसरे मैच में अच्छी शुरुआत की थी जिसे अब वह बड़े स्कोर में बदलना चाहेंगे। वहीं बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के शामिल होने से भारतीय टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी। स्पिन ऑलराउंउश्र वाशिंगटन सुंदर के होने से निचले क्रम पर भी भारतीय बल्लेबाजी मजबूत होगी। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाये थे। दूसरी ओर मेजबान टीम की बल्लेबाजी कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड पर निर्भर करेगी। हेड के नहीं होने से मार्श के साथ इस मैच में मैथ्यू शॉर्ट सलामी जोड़ीदार के तौर पर उतर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने होंगे क्योंकि सीन एबॉट उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। ऐसे में बेन ड्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है।

टीम इस प्रकार हैं:

भारतः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलियाः मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम ज़म्पा, महली बियर्डमैन, बेन ड्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

पहले एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, लाबुशेन की वापसी, स्मिथ होंगे कप्तान

एजेंसी, सिडनी

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी एशेज सीरीज के पहले टेस्ट के लिए टीम की घोषणा कर दी है। युवा ओपनर सैम कॉनस्टास को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन की टीम में वापसी हुई है। कॉनस्टास को वेस्टइंडीज दौरे पर खराब प्रदर्शन के कारण टीम से बाहर किया गया है। अनकैप्ड बल्लेबाज जेक वेदराल्ड को उनके स्थान पर मौका मिला है, जिन्होंने शेफील्ड शील्ड सीजन की शानदार शुरुआत करते हुए तीन अर्धशतक लगाए हैं। लाबुशेन ने घरेलू सीजन में अब तक पांच शतक जड़कर शानदार फॉर्म में वापसी की है, जिसके बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें फिर से टेस्ट टीम में शामिल किया है। चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, "हमारे पास 15 में से 14 खिलाड़ी शेफील्ड शील्ड के चौथे राउंड में खेल रहे हैं। कैमरन ग्रीन गेंदबाजी में वापसी कर रहे हैं, जिससे हमें और जानकारी मिलेगी।" मिचेल मार्श को व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद टीम में जगह नहीं मिली है, जबकि टीम के कोच और चयनकर्ता एंड्रू मैकडॉनल्ड ने हाल में उनका समर्थन किया था। पैट कमिंस की पीठ की चोट के कारण स्टीव स्मिथ पहले टेस्ट में कप्तानी की जिम्मेदारी निभाएंगे। यह मैच 21 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा।

पहले एशेज के लिए ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम- स्टीव स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, बो वेबस्टर, जोश इंगलिस, एलेक्स कैरी, जेक वेदराल्ड, मिचेल स्टार्क, स्कॉट बोलैंड, नाथन लायन, जोश हेजलवुड, सीन एबॉट, ब्रेंडन डॉगेट।

डब्ल्यूटीए फाइनल्सः गॉफ ने पाओलीनी को हराकर किया टूर्नामेंट से बाहर

एजेंसी, रियाद

डिफेंडिंग चैंपियन अमेरिका की कोको गॉफ ने मंगलवार को जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए इटली की जैस्मिन पाओलीनी को 6-3, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए फाइनल्स में अपनी पहली जीत दर्ज की और साथ ही पाओलीनी को टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा दिया। 21 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ ने अपने पिछले मुकाबले में हमवतन जेसिका पेगुला के खिलाफ 17 डबल फॉल्ट किए थे, लेकिन इस बार उन्होंने केवल तीन ही डबल फॉल्ट किए और पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा। गॉफ ने मैच के बाद कहा, "मुझे पता था कि यह जीत टूर्नामेंट में बने रहने के लिए जरूरी है। अगर मैं हारती, तो बाहर हो जाती।" पहले सेट में गॉफ ने मात्र 10 मिनट में 3-0 की बढ़त बना ली। पाओलीनी ने अगला गेम जीतने के लिए नौ मिनट तक संघर्ष किया और तीन ब्रेक प्वाइंट बचाए। हालांकि, गॉफ ने फिर शानदार रिटर्न खेलते हुए 5-3 की बढ़त हासिल की और पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में भी गॉफ की रणनीति कारगर साबित हुई, जिसमें उन्होंने पाओलीनी को लगातार कोर्ट के एक सिरे से दूसरे सिरे तक दौड़ाया। परिणामस्वरूप, गॉफ ने दो बार लगातार ब्रेक हासिल कर 5-2 की बढ़त ली और एक दमदार सर्विस के साथ मैच जीत लिया। गॉफ ने कहा, "मुझे लगा कि मैंने आज स्मार्ट सर्विस की। हालांकि मुझे नहीं लगता कि जैस्मिन 100% फिट थीं।"

36 के हुए विराट कोहली को प्रशंसकों से मिली बधाई

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली आज 36 साल के हो गए हैं। जन्मदिन के अवसर पर विराट को प्रशंसकों और साथ खिलाड़ियों ने ढेरों बधाईयां दी है। विराट अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं क्योंकि टेस्ट और टी20 से उन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया है। 36 साल की उम्र में भी विराट फिट बने हुए हैं और 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना चाहते हैं। वर्तमान समय में भी वह केवल एक प्रारुप खेलने के बाद भी विश्व के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर में से एक हैं। विराट को यूं ही नहीं कहा जाता वर्तमान पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज। उन्होंने अपने करियर में कई बड़ी पारियां खेली हैं। साल 2012 में श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के साथ त्रिकोणीय सीरीज में श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 320 रन बनाये थे। तब भारतीय टीम सीरीज में पिछड़ रही थी. ऐसे में उसे हर हाल में जीत दर्ज करनी थी जिससे कि बोनस अंक हासिल किये जा सकें। 321 रनों के लक्ष्य को 40 ओवर में ही हासिल करना था, जो काफी मुश्किल काम था पर विराट ने पहले गौतम गंभीर और फिर सुरेश रैना के साथ मिलकर ऐसी बल्लेबाजी की कि भारतीय टीम ने 36.4 ओवर में ही 321 रन बनाकर मैच को जीत लिया और बोनस अंक हासिल किया! इस मैच में विराट ने 154.65 के स्ट्राइक रेट से 86 गेंद में 16 चौके और 2 छक्के की मदद से 133 रन बनाए थे! विराट की ये पारी उनके करियर की सबसे यादगार पारियों में से एक थी। वहीं एशिया कप 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ विराट ने 183 रनों की बेहतरीन पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। इस मैच में पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 329 रन बनाये थे पर इसके जवाब में विराट की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम 7 विकेट से जीत गयी। एकदिवसीय में ये विराट का अब तक का सबसे अधिक स्कोर है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई भारतीय टीम की ओर से एडिलेड टेस्ट में विराट ने शानदार पारी खेली थी। विराट ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 517 रन बनाये थे। इसके जवाब में भारतीय टीम 444 रन ही बना पायी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया को 73 रनों की बढ़त मिली थी। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 290 रन बनाए और पारी को घोषित कर भारत के सामने एडिलेड की मुश्किल पिच पर चौथी पारी में 364 रनों का लक्ष्य रखा था। इसके बाद विराट कोहली ने मुरली विजय के साथ मिलकर जबरदस्त पारी खेली। मुरली 99 रन बनाकर आउट हुए, जबकि विराट ने 175 गेंद में 145 रन बनाए। इन दोनों के आउट के होने बाद भारतीय टीम हालांकि 315 रन के स्कोर पर ही आउट हो गयी। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने मैच 48 रन से जीत लिया। साल 2018 में इंग्लैंड दौरे पर बर्मिंघम टेस्ट में विराट कोहली की 149 रनों की पारी भी कौन भूल सकता है। विराट कोहली ने कठिन पिच पर शतक लगाकर भारतीय टीम को 31 रन से जीत दिलायी थी। विराट के लिए ये शतकीय पारी इसलिए भी अहम थी क्योंकि इससे पहले विराट इंग्लैंड में बुरी तरह से असफल रहे थे। बर्मिंघम में 149 रन बनाकर उन्होंने सबकी बोलती बंद कर दी। ऑस्ट्रेलिया में खेले गए आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 में पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली की 82 रनों की पारी की अहम भूमिका रही। इस मैच में पाकिस्तान के सामने टीम इंडिया ने 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 31 रन पर अपने 4 विकेट खो दिये। इस मैच में विराट कोहली ने हारिस रऊफ पर जबरदस्त छक्का लगाकर मैच में टीम इंडिया को जीत दिला दी।

व्यापार

एफटीए में डेयरी, एमएसएमई क्षेत्रों के हितों का लगातार ध्यान रख रहा है भारतः पीयूष गोयल

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड की चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर वेलिंगटन पहुंचे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को ऑकलैंड में भारत-न्यूजीलैंड व्यापार मंच को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत अपने मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में डेयरी और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की लगातार सुरक्षा करता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने व्यापार समझौते में एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करने पर सहमति जताई है। भारत-न्यूजीलैंड व्यापार मंच पर मेरे समकक्ष टॉड मैक्ले के साथ बातचीत बहुत अच्छी रही। गोयल ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित एफटीए पर जारी वार्ता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इस समय दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी चौथे दौर की बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत कभी भी डेयरी, किसानों और एमएसएमई के हितों से समझौता नहीं करता है। हम हमेशा इन संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की सुरक्षा करते हैं। भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि बहुत अच्छी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि लगातार बातचीत चल रही है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि कई संवेदनशील मुद्दे हैं, गंभीर मुद्दे हैं, स्वाभाविक है कि थोड़ा समय लगता है।वाणिज्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत ने अब तक किसी भी व्यापार समझौते में डेयरी या कृषि क्षेत्र में साझेदार देश को शुल्क रियायत नहीं दी है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे मुद्दों को नहीं छूते हैं। हम एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान करते हैं। एफटीए वार्ता के अगले चरणों को लेकर पूछे गए सवाल पर वाणिज्य मंत्री ने कहा कि हो सकता है कि हमें बहुत अधिक चरणों की जरूरत न पड़े। इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति पहले ही हो चुकी है। व्यापार समझौते की दिशा में ठोस चर्चा चल रही है। न्यूजीलैंड की चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे गोयल ने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड के बीच रक्षा, कृषि, अंतरिक्ष, शिक्षा और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि भारत कृषि प्रौद्योगिकी, खासकर डेयरी मशीनरी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के अवसर देख सकता है। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और व्यापार मंत्री टॉड मैक्ले के साथ भारतीय समुदाय के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने आगे कहा कि भारत-न्यूजीलैंड साझेदारी को और मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण और एक निष्पक्ष एवं संतुलित मुक्त व्यापार समझौते से नए अवसर कैसे खुल सकते हैं और दोनों पक्षों के लोगों को कैसे लाभ पहुंच सकता है, इस बारे में बात की है। इसके साथ ही उन्होंने प्रवासी भारतीयों के उल्लेखनीय योगदान पर भी प्रकाश डाला, जो दोनों देशों के बीच आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि हमारे भारतीय प्रतिनिधिमंडल और मेरा यहां बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया गया। दोनों देशों का मूल सिद्धांत ऐसे हैं कि अगर हम अपने आपसी संबंधों को बढ़ाते हैं, तो यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद है।

शेयर बाजार में गुरुपूरब की छुट्टी, एमसीएक्स में शाम के सत्र में होगा कारोबार

नई दिल्ली। गुरु नानक जयंती गुरपूरब के मौके पर घरेलू शेयर बाजार में आज छुट्टी है। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) दोनों में ट्रेडिंग नहीं होगी। स्टॉक एक्सचेंज के हॉलीडे कैलेंडर के अनुसार शनिवार और रविवार की साप्ताहिक छुट्टी के अलावा ये नवंबर महीने का इकलौता मार्केट हॉलिडे है। गुरपुरब के मौके पर आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में भी छुट्टी है। हालांकि ये छुट्टी सिर्फ सुबह के सत्र के लिए ही है। यानी सुबह के सत्र में आज ट्रेडिंग नहीं होगी, लेकिन 5 बजे के बाद एमसीएक्स में शाम के सत्र की ट्रेडिंग शुरू हो जाएगी। जहां तक शेयर बाजार में ट्रेडिंग की बात है, तो गुरुवार 6 नवंबर से सामान्य कारोबार शुरू हो जाएगा। स्टॉक एक्सचेंज की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार आज बीएसई में इक्विटी सेगमेंट और इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट समेत एसएलबी सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट्स, एनडीएस-आरएसटी, ट्राई पार्टी रेपो, कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स (ईजीआर) सेगमेंट सभी के लिए ट्रेडिंग हॉलिडे है।

मारुति सुजुकी ने घरेलू बाजार में बेचीं 3 करोड़वीं कार, ऑल्टो सबसे लोकप्रिय मॉडल

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी 3 करोड़वीं पैसेंजर व्हीकल की बिक्री दर्ज की है। इस उपलब्धि के साथ मारुति सुजुकी भारत की पहली कार निर्माता कंपनी बन गई है, जिसने घरेलू बाजार में यह आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में बताया कि उसने यह उपलब्धि सिर्फ 42 साल में हासिल की है। मारुति सुजुकी इंडिया ने 14 दिसंबर, 1983 को भारत में अपनी पहली कार मारुति-800 ग्राहक को सौंपी थी। मारुति ने कहा कि उसने 28 साल दो महीने में पहली बार एक करोड़ संचयी बिक्री का आंकड़ा पार किया था। फिर एक करोड़ कारें सात साल 5 महीने में बेची गईं। इसके बाद घरेलू बाजार में एक करोड़ कारें छह वर्ष चार महीने के रिकॉर्ड समय में बेची गईं। मारुति ने कहा कि भारत में बेची गई तीन करोड़ कारों में से ऑल्टो सबसे लोकप्रिय मॉडल बनकर उभरी, जिसकी 47 लाख से अधिक कारें बिकीं। इसके बाद 34 लाख कारों के साथ वैगन आर दूसरे स्थान और 32 लाख से अधिक कारों के साथ स्विफ्ट तीसरे स्थान पर रही। वाहन निर्माता ने बताया कि कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा और फ्रोंक्स भी कंपनी के खंड में सबसे अधिक बिकने वाले शीर्ष दस वाहनों में शामिल हैं। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि प्रति एक हजार व्यक्तियों पर लगभग 33 वाहनों की कार उपलब्धता के साथ हम जानते हैं कि हमारी यात्रा अभी समाप्त नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि कंपनी अधिक से अधिक लोगों तक परिवहन का आनंद पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करती रहेगी। मारुति सुजुकी इंडिया ने वर्तमान में 19 मॉडल में 170 से अधिक संस्करण पेश करती है।

ब्रासोव में भारत-रोमानिया ने व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बुधवार को ब्रासोव में आयोजित भारत-रोमानिया व्यापार मंच में एक भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के बीच व्यापार एवं निवेश को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसके साथ ही एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक जितिन प्रसाद ने अपने संबोधन में भारत की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में स्थिति पर प्रकाश डाला और रोमानियाई उद्यमों को 'मेक इन इंडिया' और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के तहत भारत के गतिशील विनिर्माण और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। मंत्रालय ने कहा कि 'भारत में व्यापारिक अवसरों' पर दी गई प्रस्तुति में प्रमुख औद्योगिक गलियारों में हाल के नीतिगत सुधारों, व्यापार सुगमता उपायों और राज्य-स्तरीय प्रोत्साहनों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इस सत्र के दौरान समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही भारतीय एवं रोमानियाई कंपनियों के बीच संयुक्त उपक्रमों और प्रौद्योगिकी सहयोग की संभावनाओं को तलाशने के लिए व्यवसायिक मेलमिलाप वार्ता आयोजित किए गए। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस कार्यक्रम का आयोजन ब्रासोव के वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (सीसीआईबीवी) ने बुखारेस्ट स्थित भारतीय दूतावास और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सहयोग से किया था। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश और औद्योगिक सहयोग का विस्तार करना था, जिसमें ऑटोमोटिव, एयरोस्पेस, रक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, इंजीनियरिंग सेवाएं और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के व्यावसायिक लोगों को एक साथ एक मंच पर लाना था।

सर्राफा बाजार में सस्ती हुई चांदी, एक दिन में 5,100 रुपये तक घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में भी लगातार गिरावट का रुख बना हुआ है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में 4,000 रुपये से लेकर 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आ गई है। इस गिरावट के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 1,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत गिर कर 1,50,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं, बेंगलुरु में चांदी 1,51,000 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,50,400 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट के बावजूद 1,64,900 रुपये के स्तर पर बनी हुई है। चेन्नई और हैदराबाद में चांदी पिछले 3 सप्ताह के दौरान 42 हजार रुपये से ज्यादा सस्ती हो चुकी है। इन दोनों शहरों में 15 अक्टूबर को चांदी 2,07,700 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कारोबार कर रही थी, लेकिन अब इन दोनों शहरों में इसकी कीमत में 42,800 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आ चुकी है।

मीना कुमारी का किरदार निभाएगी कियारा आडवाणी

मदरहुड का आनंद लेने का बाद एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने अपनी पहली फिल्म साइन कर ली है, जो बॉलीवुड की मशहूर अदाकारा मीना कुमारी की जिंदगी पर आधारित होगी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले साल निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने मीना कुमारी और कमाल अमरोही की कहानी पर आधारित बायोपिक 'कमाल और मीना' की घोषणा की थी। तब से यह चर्चा में था कि इस फिल्म में "ट्रेजेडी क्वीन" मीना कुमारी का किरदार कौन निभाएगा। लंबे समय से कृति सेनन और कियारा आडवाणी के नामों को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन अब एक रिपोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि कियारा आडवाणी को इस प्रतिष्ठित रोल के लिए फाइनल कर लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, फिल्ममेकर को कियारा में वह भावनात्मक गहराई और विंटेज बॉलीवुड चार्म मिला है, जो मीना कुमारी के किरदार के लिए जरूरी था। बताया गया है कि कियारा इस भूमिका की तैयारी में पूरी तरह जुटने वाली हैं। उन्हें मीना कुमारी की तरह संवाद अदायगी के लिए उर्दू भाषा की बुनियादी जानकारी भी हासिल करनी होगी। फिल्म की शूटिंग अगले साल की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है, और इसकी मुख्य शूटिंग पहले छह महीनों के भीतर पूरी करने की योजना है। फिल्म 'कमाल और मीना' को सिद्धार्थ पी मल्होत्रा, सारेगामा और अमरोही परिवार के सहयोग से बनाया जा रहा है। यह बायोपिक मीना कुमारी और लेखक-निर्देशक कमाल अमरोही के बीच के जटिल लेकिन भावनात्मक रिश्ते को पर्दे पर जीवंत करेगी। हालांकि, अभी फिल्म के मेल लीड यानी कमाल अमरोही की भूमिका के लिए अभिनेता की तलाश जारी है। कियारा आडवाणी के फैंस के लिए यह खबर किसी सरप्राइज से कम नहीं है। मां बनने के बाद कियारा का इस तरह एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण किरदार से वापसी करना उनके करियर का नया और प्रभावशाली अध्याय साबित हो सकता है। बता दें कि कियारा आडवाणी इन दिनों अपने जीवन के सबसे खूबसूरत दौर मदरहुड का आनंद ले रही हैं। हाल ही में उन्होंने पति सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। अब मां बनने के कुछ ही समय बाद कियारा ने अपने करियर का अगला बड़ा कदम उठाया है।

समंदर में नहाकर अवनीत कौर ने दिए हॉट पोज, स्टनिंग अवतार देखकर फैंस हुए दीवाने

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर आए दिन अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

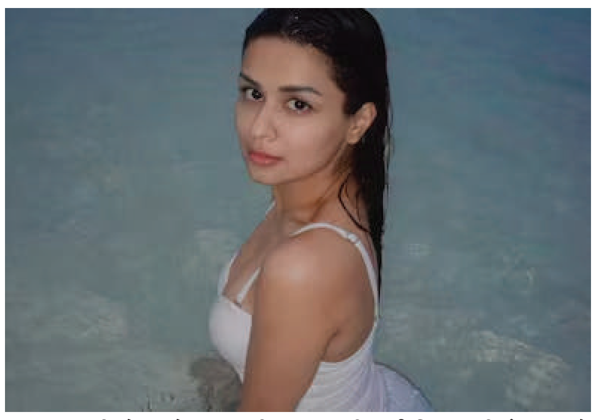

अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपनी हॉट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस हॉट फोटोशूट कराती दिख रही हैं। इसमें एक्ट्रेस समंदर में नहाती हुई दिख रही हैं। इसमें अभिनेत्री समंदर किनारे बैठकर उसकी लहरों का आनंद ले रही हैं। अगर इसकी बात की जाए, तो उन्होंने क्लोजअप तस्वीर पोस्ट की है। इस पोस्ट का साझा करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, यह लहरों के रुप में आता है और चला जाता है। और हमें बहा ले जाता है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो उनका हर एक स्टाइल लोगों के बीच ट्रेंड करता है। अवनीत कौर को आखिरी बार लव इन वियतनाम फिल्म में देखा गया था।

बाहुबली द एपिक का तीसरे दिन भी जलवा कायम, प्रभास ने इस मामले में तोड़ा रिकॉर्ड

एसएस राजामौली के निर्देशन में बनी फिल्म की फिल्म बाहुबली जब 2015 में रिलीज हुई, तो उसने पूरे भारत में जबरदस्त प्रतिक्रिया हासिल की। कुछ साल बाद 2017 में प्रभास अभिनीत इस फिल्म की दूसरी किस्त बाहुबली 2 रिलीज हुई, जिसने पहली किस्त से ज्यादा बड़ी सफलता हासिल की। फिल्म के 10 साल पूरे होने की खुशी में, राजामौली ने दोनों किस्तों को मिलाकर बाहुबली द एपिक बनाई, जो बॉक्स ऑफिस पर कमाल कर रही है। फिल्म बाहुबली द एपिक 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को पहले दिन से दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला है। सैकनिल्क के मुताबिक, बाहुबली द एपिक ने रिलीज के तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म ने स्पेशल स्क्रीनिंग में 1.15 करोड़ रुपये कमाए थे। रिलीज के पहले दिन इसने 9.65 करोड़ रुपये से शुरुआत की और अब बाहुबली द

एपिक की कुल कमाई 24.10 करोड़ रुपये हो गई है। प्रभास अभिनीत बाहुबली द एपिक को हिंदी पट्टी के दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। इसी की बदौलत फिल्म ने 2015 में रिलीज बाहुबली के हिंदी संस्करण के पहले वीकेंड कलेक्शन (22.35 करोड़) का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। भारत में दोबारा रिलीज होने वाली किसी भी फिल्म के मुकाबले बाहुबली द एपिक, अब तक की सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली फिल्म बन गई है। अब देखना दिलचस्प होगा कि कारोबारी दिनों में फिल्म किस तरह से कमाल करती है।

इक्कीस का ट्रेलर रिलीज, सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता बन छा गए अगस्त्य नंदा

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से बॉलीवुड में कदम रखा था और इसमें उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई थी। हालांकि, ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर आई थी। अब दर्शकों को अगस्त्य की फिल्म इक्कीस का इंतजार है, जो ओटीटी से पहले सिनेमाघरों का रुख करेगी। अब श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया की ये पहली फिल्म है। ये 2 मिनट का ट्रेलर सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता अरुण खेत्रपाल की कहानी दिखाता है। इसमें उनकी फौज में भर्ती से लेकर, जंग के मैदान में उनके वीरता भरे बलिदान तक का प्रेरणादायी सफरनामा दिखाया गया है। शुरुआती दृश्यों में एक सख्त मिलिट्री अकादमी का माहौल दिखाया गया है। उधर अरुण के किरदार में अगस्त्य असर छोड़ जाते हैं। उनका जोश-जुनून से भरा किरदार ध्यान खींचता है। बहादुरी के साथ-साथ एक प्रेम कहानी भी इसमें नजर आएगी। दिनेश विजान इस फिल्म के निर्माता हैं, जिनकी हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है। उनके प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स ने ट्रेलर साझा कर कैप्शन में लिखा, वो इक्कीस का था, इक्कीस का ही रहेगा! दिनेश विजान और मैडॉक फिल्म्स प्रस्तुत करते हैं इक्कीस। भारत के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता-सेकेंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की एक अनकही सच्ची कहानी, जिसका निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। दिसंबर 2025 में सिनेमाघरों में। ट्रेलर ने लोगों के रोंगटे खड़े कर दिए हैं, वहीं धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत ने भी अपने अंदाज ने दिल जीत लिए हैं। अगस्त्य की प्रेमिका की भूमिका में नजर आ रही सिमर की खूबसूरती की भी लोग तारीफ कर रहे हैं। एक ओर जहां अगस्त्य तारीफ लूट रहे हैं, वहीं लोग ये भी कह रहे हैं कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धुआं उठा देगी। कुछ का कहना है कि मैडॉक एक के बाद एक धमाके कर रहा है। इक्कीस 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है। इसमें लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के वास्तविक जीवन की कहानी देखने को मिलेगी। अरुण प्रतिष्ठित परमवीर चक्र के सबसे कम उम्र के प्राप्तकर्ता थे, जिन्होंने युद्ध के मैदान में अपने देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। उस वक्त उनकी उम्र महज 21 साल थी। बता दें कि पहले फिल्म में अरुण की भूमिका के लिए वरुण धवन से संपर्क किया गया था, लेकिन उनके साथ बात नहीं बन पाई।

अदिवी शेष का डबल धमाका, मृणाल ठाकुर और वामिका गब्बी संग बड़ी हिंदी और पैन-इंडिया फिल्म में आएंगे नजर

अदिवी शेष अब पैन-इंडिया सिनेमा का नया चेहरा बनने जा रहे हैं, वो भी एक नहीं बल्कि दो बड़े प्रोजेक्ट्स के साथ. ये दोनों फिल्में अलग-अलग जॉनर, पैमाने और कहानियों से भरी हुई हैं. सबसे पहले है हिंदी फिल्म 'डकोईट', जो एक्शन-थ्रिलर और गहरी लव स्टोरी का अनोखा मेल है. इस फिल्म में शेष, मृणाल ठाकुर के साथ नज़र आएंगे. फिल्म की रिलीज क्रिसमस 2025 पर होने वाली है. इसके बाद आएगी उनकी पैन-इंडिया फिल्म 'जी2 – गुडाचारी 2', जो उनके कल्ट स्पाई-थ्रिलर गुडाचारी का सीक्वल है. यह फिल्म 1 मई 2026 को रिलीज होगी और इसमें वामिका गब्बी भी एक दमदार किरदार में दिखेंगी. इन दोनों फिल्मों के साथ, अदिवी शेष नेशनल लेवल पर अपनी पहचान और मज़बूत करने जा रहे हैं. खास बात यह है कि ये फिल्में एक साथ हिंदी और तेलुगु में शूट हो रही हैं ताकि हर भाषा और क्षेत्र के दर्शक इनसे जुड़ सकें. अपने इस नए सफर के बारे में शेष ने कहा, मैं हमेशा मानता हूं कि अच्छी सिनेमा भाषा की सीमाओं से ऊपर होती है, डकोईट और जी2 के साथ मैं सिर्फ बड़े पैमाने का नहीं, बल्कि दिल को छू लेने वाला सिनेमा करना चाहता हूं, डकोईट एक इमोशनल एक्शन-थ्रिलर है जो प्यार और तड़प की कहानी कहती है, वहीं जी2 एक बड़ा स्पाई-एडवेंचर है, जो गुडाचारी की दुनिया को और आगे बढ़ाता है, दोनों फिल्मों के जॉनर और भाषा भले ही अलग हों, लेकिन इनमें भारतीय कहानियों को ग्लोबल विजन और भावनाओं की गहराई के साथ दिखाने की सच्ची कोशिश है, मृणाल और वामिका जैसी टैलेंटेड एक्ट्रेस के साथ काम करना और इतने बड़े ख्वाब देखने वाली टीम के साथ जुडऩा, रोमांचक भी है और चुनौतीपूर्ण भी, मुझे लगता है कि अब भारतीय सिनेमा को किसी की मंज़ूरी का इंतजार नहीं करना चाहिए, हमें अपनी कहानियां अपने अंदाज में दुनिया को सुनानी चाहिए, और मुझे खुशी है कि मैं इस बदलाव का हिस्सा हूं.

सिनेमाघरों में चला हर्षवर्धन राणे का जादू, एक दीवाने की दीवानियत 100 करोड़ी क्लब में शामिल

हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा स्टारर एक तरफा लव स्टोरी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. बीती 21 नवंबर को रिलीज हुई फिल्म एक दीवाने की दीवानियत ने हो हफ्ते पूरे करने से पहले ही बॉक्स ऑफिस पर सेंचुरी लगा दी है. आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की हॉरर लव स्टोरी फिल्म थामा के साथ रिलीज हुई एक दीवाने की दीवानियत अभी भी बॉक्स ऑफिस पर पैसा बटोर रही है. इधर, थामा भी बॉक्स ऑफिस पर मालामाल हो रही है. आइए जानते हैं. एक दीवाने की दीवानियत ने रिलीज के 13 दिनों में कितनी कमाई कर ली है. हर्षवर्धन राणे ने आज 3 नवंबर को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उनकी फिल्म एक दीवाने की दीवानियत बॉक्स ऑफिस पर जीत गई है. एक्टर की मानें तो फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स

ऑफिस पर 101.1 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है. एक दीवाने की दीवानियत ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 86.1 और ओवरसीज में 15 करोड़ रुपये कमाए हैं. इस पोस्ट के कैप्शन में एक्टर ने लिखा है, मिला पूरी दुनिया का प्यार, दीवानों ने किया सौ करोड़ पार. बता दें, एक दीवाने की दीवानियत ने 10 करोड़ रुपये से ज्यादा से खाता खोला था. फिल्म ने अपने पहले वीक में भारत में 55.15 करोड़ रुपये कमा थे. इधर, थामा अपनी रिलीज के 13 दिनों में भारत में 120.05 करोड़ रुपये कमा चुके हैं. फिल्म ने 25 करोड़ रुपये से खाता खोला था. फिल्म ने 13वें दिन भारत में 4.25 करोड़ रुपये कमाए हैं और फिल्म ने अपने पहले वीक में 108.4 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. मडोक फिल्म्स की थामा उनके 100 करोड़ी क्लब में शामिल हो गई है इससे पहले स्त्री और स्त्री 2 समेत कई कई फिल्में यह कारनाम कर चुकी हैं.

Key Delhi air monitor went dark in peak farm fire week

NEW DELHI, Agency: The government model that tracks pollution sources in Delhi went quiet for four days during the first week of November — historically, some of the period when smoke from agricultural burning contributes most heavily to the capital's toxic air — and was updated only after HT asked authorities about the missing data.

The Decision Support System (DSS), which estimates how much different sources contribute to Delhi's PM 2.5 levels, last provided data on Friday. When the system finally updated late on Tuesday evening, it revealed no stubble burning contribution data for November 1 and 2.

Past data shows stubble burning's contribution to Delhi's air has historically surged above 35% during the first week of November, reaching as high as 48% on a single day in 2021. This year's readings show just 4.06% on Monday and 1.74% on Tuesday.

Last year on November 1, farm fires accounted for 35.1% of Delhi's PM 2.5 pollution. The contribution remained at 35% till November 3 in both 2023 and 2022, according to DSS records.

The Indian Institute of Tropical Meteorology in Pune, which operates the model, and the Commission for Air Quality Management did not respond to queries on Tuesday about the data gap.

Harvesting and farm fires are likely delayed this year following widespread floods in Punjab, but burning has been rising in recent days. Punjab recorded 256 fires on Sunday while Haryana logged a season-high 23 fires the same day.

To be sure, the region appears to have mostly been spared of an air pollution crisis also due to more active weather conditions that usual.

"We have seen wind speeds remain high so far — the speed is enough for dispersion. At the same time, Diwali was earlier

than usual this year and farm fires are low, so we are not seeing the kind of emissions we usually see in early November," said Dipankar Saha, former head of CPCB's air laboratory. But he warned that if wind speeds drop again, it will eventually lead to accumulation of pollutants over time.

The DSS typically provides daily source contribution estimates along with a two-day forecast. It calculates pollution contributions from Delhi's own emissions and 19 neighbouring NCR towns, with stubble burning percentages updated later based on actual fire counts.

The system showed Delhi's transport sector contributed 19.91% to Tuesday's PM 2.5 levels, followed by emissions from Jhajjar at 6.54% and Gautam Buddha Nagar at 6.15%.

The DSS blackout is part of a broader pattern of monitoring failures this year. On Diwali night, nine of Delhi's 39 air quality monitoring stations stopped recording data entirely during critical hours between 11 p.m. and 4 a.m. — the second-highest number of such failures since 2021.

"Transparency is important when we talk about fighting pollution," said Sunil Dahiya, founder and lead analyst at environmental think tank Envirocatalysts.

Dahiya, however, pointed to other problems with the DSS. "With an outdated emissions inventory, it seems none of the agencies and bodies which should be using this data are utilising it, which explains the semi-frequent updates in between."

The model continues to run on an outdated 2021 emissions inventory, officials have acknowledged, raising doubts about forecast accuracy. The system was operationalised on October 5 ahead of the winter pollution season — the same inventory issue that prompted CAQM to halt it last year and request improvements from IITM.

During last winter, DSS data was available from the start of October till November 29 before going dark until December 9. CAQM said at the time it would not use the system for pollution-related decisions because the emissions inventory was too old, though the model would continue sharing information.

At least three major real-time source identification studies have been halted or rendered obsolete in the past four years. In 2021, the Delhi government stopped a study by Washington University before its data was made public, citing "unsatisfactory" results. The work was reassigned to IIT Kanpur the same year, but that two-year study ended in November 2023 with the government again dissatisfied with methodologies and results. No replacement system has been established.

"It is a model which ticks a lot of boxes, but eventually, is turning out to be a waste of funds, unless our data is running on a new emissions inventory and is updated regularly," Dahiya said.

At UNESCO meet, India calls for ethical AI education access, heritage cooperation

New Delhi, Agency: India outlined its agenda on ethical artificial intelligence, digital education, and cultural heritage at the 43rd General Conference of UNESCO, where Ambassador Vishal V Sharma said the country's focus was on "education, ethics, and equity" as part of its Viksit Bharat vision for 2047.

The 43rd General Conference, being held in Uzbekistan from October 30 to November 13, is UNESCO's highest decision-making body, setting the agency's programmes and budget for 2026-2027.

Sharma, India's Permanent Delegate to UNESCO, said India is working with UNESCO on the Readiness Assessment Methodology (RAM) to map national preparedness for ethical and responsible AI, and pointed to a sequence of India-based consultations held with the ministry of electronics and information technology (MeitY) and IndiaAI Mission. The RAM initiative is designed to help countries assess strengths and gaps for deploying AI in line with UNESCO's

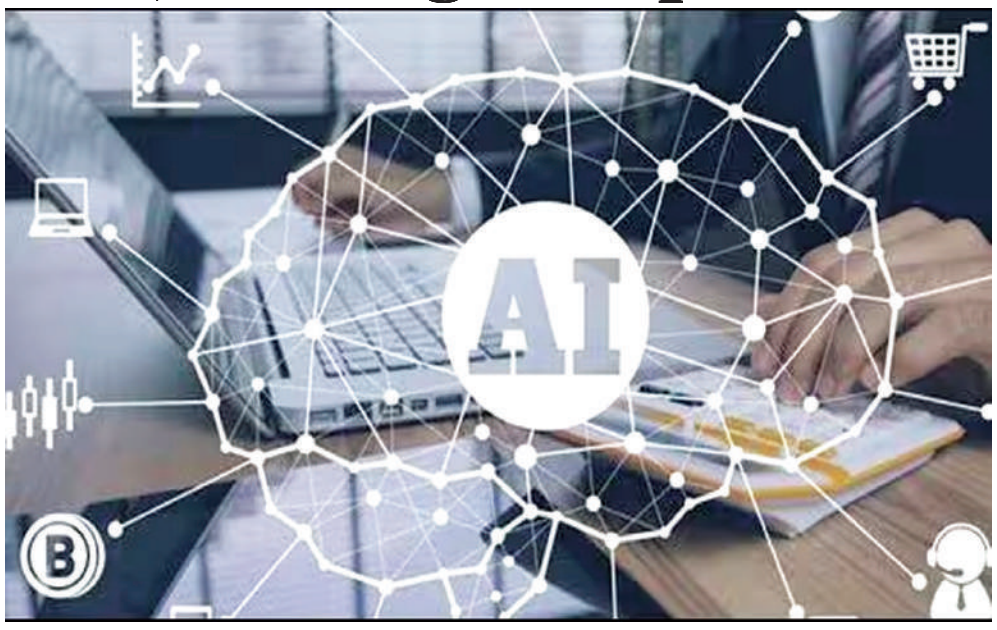

Recommendation on the Ethics of AI. He said India's National Quantum Mission and a $29 billion AI sector "are expected to create over one million professionals by 2026", alongside a $10 billion semiconductor mission aimed at building digital self-reliance.

Referring to India's education reforms, Sharma said the National Education Policy promotes online learning through platforms such as SWAYAM, DIKSHA, Bhashini, and PM eVidya, developed under the G20 and UNESCO frameworks.

Six killed after being hit by train while crossing tracks in UP's Mirzapur

New Delhi, Agency: Six passengers were killed after being hit by a train while crossing the railway tracks at Chunar Junction in Uttar Pradesh's Mirzapur district on Wednesday morning, barely a day after another major train accident in Chhattisgarh claimed 11 lives.

According to officials, the victims had just alighted from the Gomo–Prayagraj Express around 9.15 am and were attempting to cross the tracks from the wrong side when they were struck by the Kalka Mail passing through platform number three. Follow Mirzapur train accident live updatesThe identities of the deceased, said to be devotees, are yet to be confirmed. Eyewitnesses described the scene as horrific, with bodies mutilated in the impact.Chief Minister Yogi Adityanath took cognizance of the incident and expressed condolences to the families of the deceased.

Paratrooper injured in gunfight between terrorists and security forces in J&K's Kishtwar

NEW DELHI, Agency: A paratrooper was injured and airlifted to a hospital in Jammu and Kashmir's Udhampur after a gun battle broke out between terrorists and security forces on Wednesday in the Kishtwar district.

Officials said that the encounter started after the Jammu and Kashmir Police, with help from the Indian Army, launched a joint operation in the Chhatru area based on intelligence about terrorists in the region.

The search operation began in the early morning, after which security forces came under fire, resulting in an exchange of gunfire.

The White Knight Corps posted on X, "In an intelligence-based operation, launched in coordination with the Jammu and Kashmir Police early this morning, alert troops of the White Knight Corps established contact with terrorists in the general area of Chhatru."

"The operation is in progress," the post added.

The security forces are closely monitoring terrorist movements in the mountainous district, leading to several encounters along the border of Doda and Udhampur districts.

Notably, Kishtwar has witnessed six encounters over the past seven months as troops continue searching for Pakistan-based terrorists hiding in the hills.

On September 21, a group of terrorists clashed with forces in the Chhatru area. On September 13, two army personnel, including a junior commissioned officer, died and two others injured in an encounter in the Naidgram area of Chhatru.

Violent confrontations also happened in the Dul and Chhatru belts on August 11 and July 2, though the terrorists managed to escape.

On May 22, one soldier and two terrorists died during a clash in Chhatru. Further, on April 12, three terrorists were killed in Kishtwar, while the army prevented an infiltration attempt along the LoC in the Akhnoor sector.

Woman, her partner get 180-year jail term for assault of minor girl in Kerala

NEW DELHI, Agency: A couple convicted for repeated sexual assault of a minor girl was sentenced with 180 years of imprisonment each by a Special Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) court in Kerala's Manjeri on Tuesday. The accused in the case was a woman, who reportedly had eloped with her lover and her 11-year-old daughter to Malappuram. The crime is said to have taken place between 2019 and 2021.

The couple has also been fined with ?11.75 lakh each and failure to pay the fine would lead to an added prison sentence of 20 years, according to an ANI news agency report.

the court has convicted both of the accused - 180 years of rigorous imprisonment and ?11.75 lakh," Special Public Prosecutor Somasundaram told the news agency.

This case was registered by Malappuram Police against the mother and her lover. Originally living in Thiruvananthapuram, the mother eloped with her lover and her 11-year-old daughter to Malappuram, where they resided in a rented cottage. There, with the aid and help of the mother, her lover sexually assaulted the little girl for two years, from 2019- 2021. He not only raped her, but also forced her into oral sex," Somasundaram said.

The verdict was given by Special POCSO Court Judge Ashraf AM under various sections of the Indian Penal Code (IPC), the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act, and the Juvenile Justice Act (JJ

Act). The prosecution said the girl's stepfather intimidated her by claiming a hidden camera had been implanted in her head and that any attempt to reveal the abuse would be detected. She was also given alcohol before being assaulted.

According to the prosecution, the first accused, from Palakkad, repeatedly assaulted the child between 2019 and 2021 at rented houses in Anamangad and Vallikapatta.

The second accused, the girl's mother from Thiruvananthapuram, is accused of aiding, abetting and encouraging the abuse.

The abuse began after the woman left her husband and started living with her partner in 2019. The two accused also committed sexual intercourse in the presence of the girl. They committed offences as per the POCSO Act, as well as the Juvenile Justice Act. The Court has now convicted both the accused to 180 years of rigorous imprisonment as well as ?11.75 lakh as fine," the Prosecutor said. If the accused submits the amount before the Court, it will be given to the minor child... They have been sent to 180 years of rigorous imprisonment, but they have to remain in jail for 40 years," Prosecutor added.

Four militants killed, one arrested in Churachandpur gunfight

Manipur, Agency: In an early morning operation on Tuesday, security forces killed at least four insurgents of banned Kuki outfit United Kuki National Army (UKNA) killed and arrested one in Manipur's Churachandpur district .

An Assam Rifles spokesperson confirmed that the incident occurred at around 6 am while conducting an intelligence based operation in Khanpi village, Churachandpur, Henglep subdivision which is approximately 80 km west of Churachandpur town. The 21 Para SF?were also part of the operation.

Officials in security forces said that the militant group resorted to unprovoked firing on the security forces, and added that forces were searching adjoining areas for more insurgents.

In a statement, UKNA condemned the action of the security forces; some Kuki Zo civil society organisations also expressed condemnation of the incident.

The security officials cited above said the operation came in the week of recent incidents involving UKNA insurgents, including the killing of a village chief , intimidation of locals and attempts to disrupt peace and stability in the region.

Successful neutralisation of these terrorists highlights the Indian Army and Assam Rifles commitment to protecting innocent civilians, mitigating all threats and ensuring peace and security in Manipur", the Assam Rifles spokesperson said in a press note.

Other security officials said that during the gunfight, at least three Assam Rifles personnel also sustained injuries.

The bodies of the insurgents have been moved to Churachandpur district hospital.